राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर, दुर्ग एवं जगदलपुर से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 133 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शुक्रवार 03 अप्रैल 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

जग्गी हत्याकांड मामलाः हाईकोर्ट के फैसले पर अमित जोगी ने कहा-मेरे साथ अन्याय हुआ, सर्वोच्च न्यायालय से न्याय जरूर मिलेगा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड मामले में अमित जोगी को हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उन्हें दोषी मानते हुए तीन हफ्ते में सरेंडर करने का आदेश दिया है। वहीं इस मामले में अमित जोगी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि आज उच्च न्यायालय ने बिना सुनवाई का अवसर दिए मेरे विरुद्ध सीबीआई की अपील को मात्र 40 मिनट में स्वीकार कर लिया। मुझे खेद है कि जिस व्यक्ति को अदालत ने दोषमुक्त किया था, उसे बिना सुनवाई का एक भी अवसर दिए दोषी करार दिया गया। यह अप्रत्याशित है। अमित जोगी ने कहा, अदालत ने मुझे 3 सप्ताह के अंदर सरेंडर करने का समय दिया है। मुझे लगता है कि मेरे साथ गंभीर अन्याय हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि सर्वोच्च न्यायालय से मुझे न्याय अवश्य मिलेगा। मैं न्याय व्यवस्था पर पूरा विश्वास रखता हूं। मैं पूर्ण शांति, आस्था और धैर्य के साथ आगे बढ़ रहा हूं। सत्य की जीत अवश्य होगी।

सीएम का पद छोड़ने के बाद भी नीतीश को मिलेगी जेड प्लस सुरक्षा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री का पद छोड़ने के बाद नीतीश कुमार को जेड प्लस सुरक्षा मिलती रहेगी. इस संबंध में मंगलवार को गृह विभाग की विशेष शाखा की ओर से आदेश जारी किया गया है. ऐसे में राज्य सभा सदस्य बनने पर भी नीतीश कुमार की सुरक्षा बरकरार रहेगी.

गृह विभाग के आदेश से यह भी साफ हो गया है कि नीतीश कुमार जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और राज्य सभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे. वर्तमान में नीतीश कुमार राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं. फिलहाल अभी नीतीश कुमार को एसएसजी सुरक्षा प्राप्त है, मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद उन्हें एसएसजी के साथ जेड प्लस सुरक्षा भी मिलेगी. पुलिस महानिदेशक व डीजी विशेष शाखा को निर्णय के आधार पर जेड सुरक्षा देने का निर्देश दिया गया है. गृह विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्योरिटी एक्ट- 2000 के तहत सुरक्षा दी जाएगी. नीतीश कुमार वर्तमान में राज्य सभा के लिए निर्वाचित हुए हैं और निकट भविष्य में बिहार विधान परिषद की सदस्यता व मुख्यमंत्री पद से त्याग-पत्र देकर राज्य सभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे. नीतीश कुमार की सुरक्षा की समीक्षा के दौरान जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का निर्णय लिया जाता है. ऐसे में इन्हें राज्य सरकार के निर्णय के आलोक में सुरक्षा प्रदान की जाय.

जेड प्लस सबसे हाई लेवल की सुरक्षा मानी जाती है. यह सुरक्षा वीआईपी या किसी बड़ी हस्ती को प्रदान की जाती है. यह सुरक्षा देश के विशिष्ट लोग जैसे प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, केन्द्रीय गृहमंत्री समेत कई राजनेताओं को मिली हुई है.

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट रिकॉर्ड 38,424 करोड़ पर पहुंचाः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने रक्षा निर्यात में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है. ये वित्त वर्ष 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपये के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है. यह पिछले वर्ष की तुलना में 62.66 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है.

सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा कि पिछले साल की तुलना में यह उछाल भारत की स्वदेशी क्षमताओं और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग ताकत पर दुनिया भर के भरोसे को दिखाता है. पीएम मोदी के प्रेरणा देने वाले नेतृत्व में भारत एक शानदार डिफेंस एक्सपोर्ट सफलता की कहानी लिख रहा है! भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट में वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपये के साथ अब तक के सबसे ऊंचे लेवल पर पहुंच गया है. यह पिछले फाइनेंशियल ईयर के मुकाबले 62.66 फीसदी की मजबूत वृद्धि को दर्शाता है.

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह रिकॉर्ड बनाने वाला परफॉर्मेंस पब्लिक और प्राइवेट दोनों सेक्टर के योगदान को दिखाता है. इसमें डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स का हिस्सा 54.84 फीसदी और प्राइवेट इंडस्ट्री का 45.16 फीसदी एक्सपोर्ट है. ये मिलकर काम करने वाले और आत्मनिर्भर डिफेंस इकोसिस्टम की ताकत को दिखाता है.

पोस्ट में आगे कहा गया, डिफेंस पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग्स के 54.84 फीसदी और प्राइवेट इंडस्ट्री के 45.16 फीसदी योगदान के साथ, यह मील का पत्थर काम करने वाले और आत्मनिर्भर डिफेंस इकोसिस्टम की ताकत को दिखाता है. इससे पहले मार्च में एक इवेंट को संबोधित करते हुए सिंह ने बताया था कि सरकारी कोशिशों के नतीजे मिल रहे हैं.

वोटर लिस्ट से नाम कटने पर लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन

पश्चिम बंगाल में 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर बंधक, सुप्रीम कोर्ट नाराज

हमें पता है उपद्रवी कौन - सुप्रीम कोर्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मालदा में बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने बीडीओ ऑफिस घेरा। वहीं गुरुवार को सड़क पर आगजनी की।

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में स्ढ्क्रसे जुड़े 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बंधक बनाए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा- उन्हें नौ घंटे बंधक बनाकर रखा। खाना-पानी तक नहीं मिला। यह घटना सोची-समझी और भड़काऊ लगती है। हमें पता है उपद्रवी कौन हैं, इनका मकसद न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराना और चुनावी प्रक्रिया को बाधित करना है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था ढह गई है। बेंच ने राज्य के गृह सचिव, डीजीपी और अन्य अधिकारियों से उनकी निष्क्रियता पर जवाब मांगा।

दरअसल, 7 न्यायिक अधिकारी बुधवार को मालदा के बीडीओ ऑफिस पहुंचे थे। इनमें तीन महिलाएं थीं। तभी वोटर लिस्ट में नाम कटने के विरोध में हजारों लोगों ने ऑफिस को घेर लिया।

मालदा में लगातार दूसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन हो रहा है। गुरुवार को नारायणपुर स्थित क्र्स्न्न कैंप के सामने भीड़ इकठ्ठा हो गई। लोगों ने नेशनल हाईवे-12 को जाम कर दिया। सड़क पर टायरों में आग लगा दी गई। सुबह 10 बजे; प्रदर्शनकारी छोटे ग्रुप में जुड़ते गए, विरोध प्रदर्शन किया।

एक अप्रैल को सुबह 10 बजे प्रदर्शनकारी छोटे ग्रुप में इकठ्ठा होते गए। फिर वे क्ष्ठह्र ऑफिस के करीब गए, यहां प्रदर्शन करने लगे। दोपहर 2 बजे; न्यायिक अधिकारी मालदा के क्ष्ठह्र ऑफिस पहुंचे

दोपहर 2 बजे के करीब 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर मालदा के माताबारी स्थित क्ष्ठह्र ऑफिस पहुंचे। ये सभी अधिकारी स्ढ्क्रप्रोसेस से जुड़ा काम देख रहे थे। शाम 6 बजे; वोटर लिस्ट में नाम कटने को लेकर हजारों प्रदर्शनकारी बाहर जमा। इलेक्शन ऑब्जर्वर के ऑफिस पहुंचने की सूचना मिलते ही हजारों स्थानीय लोग बाहर जमा हो गए। उन्होंने स्ढ्क्रमें नाम कटने के विरोध में प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने ऑफिस का घेराव कर लिया। सभी 7 इलेक्शन ऑब्जर्वर को बाहर निकलने नहीं दिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि वे अधिकारियों के सामने अपनी बात रखना चाहते हैं। जिससे इनकार कर दिया गया।

कई घंटों तक चले हंगामे के बाद प्रदर्शनकारी जब नहीं हटे तो पुलिस की मदद लेनी पड़ी। पुलिस सुरक्षा में अधिकारियों को बाहर ले जाया गया। इस दौरान भी रास्ते में बैरेकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की गई। जिस गाड़ी से न्यायिक अधिकारियों को बाहर निकाला गया। उस गाड़ी पर प्रदर्शनकारियों ने ईंट से हमला किया। गाड़ी के शीशे तोड़ दिए गए।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट में स्ढ्क्र के खिलाफलगाई गई याचिका पर सुनवाई हो रही थी। इस मामले में याचिकाकर्ताओं और राज्य की ओर से पेश वकील- वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, श्याम दीवान, गोपाल शंकरनारायणन, मेनका गुरुस्वामी। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता दामा शेषाद्रि नायडू भारत निर्वाचन आयोग की तरफसे थे।

सीबीएसई स्कूलों में अब कक्षा 3 से एआई की पढ़ाई शुरू, पाठ्यक्रम में नया बदलाव

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने तेजी से बदलती तकनीक को देखते हुए अपने पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव किया है। बोर्ड ने कक्षा 3 से 8 तक के छात्रों के लिए नया पाठ्यक्रम शुरू किया है, जिसमें कम्प्यूटेशनल थिंकिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पढ़ाया जाएगा। इसका अनावरण बुधवार को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली में किया, जिसमें राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद और सीबीएसई के अध्यक्ष भी मौजूद थे। क्या है ये पाठ्यक्रम? आइए, जानते हैं।

इस पाठ्यक्रम में कक्षा 3 से 5 तक के लिए प्रति वर्ष 50 घंटे की सिफारिश की गई है, ताकि स्कूली शिक्षा में कंप्यूटर विज्ञान और एआई के लिए उम्र के मुताबिक प्रगति सुनिश्चित हो सके। कक्षाओं में, सीटी को पर्यावरण अध्ययन (पाठ्यपुस्तक द वर्ल्ड अराउंड अस से और गणित जैसे मौजूदा विषयों में शामिल किया जाएगा। छात्र पहेलियों, खेलों और अभ्यासों से तार्किक सोच, पैटर्न पहचान और क्रमबद्धता जैसे मूलभूत कौशल सीखेंगे, जिसके लिए संसाधन पुस्तिका दी जाएगी।

कक्षा 6 से 8 तक के पाठ्यक्रम में उन्नत कंप्यूटर संचार कौशल, प्रारंभिक एआई अवधारणाएं और अंतर्विषयक परियोजनाएं शामिल की गई हैं। इसके लिए कुल 100 वार्षिक घंटों में 40 घंटे उन्नत कंप्यूटर संचार, 20 घंटे एआई के मूलभूत सिद्धांतों और शेष 40 घंटे परियोजना-आधारित शिक्षण के लिए आवंटित किए गए हैं। कक्षाओं के मूल्यांकन में परियोजना प्रस्तुतियों, असाइनमेंट, चिंतनशील पत्रिकाओं और कार्यों पर ध्यान केंद्रित होगा। छात्र एआई उपकरणों से परिचित होंगे और एआई के वास्तविक अनुप्रयोगों को समझेंगे।

इस पाठ्यक्रम को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के डॉ. कार्तिक रमन के नेतृत्व में 10 सदस्यीय विशेषज्ञ समिति ने विकसित किया है।

आप ने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटाया

सदन में पार्टी की तरफ से नहीं बोलेंगे; गिग वर्कर्स-मोबाइल रीचार्ज जैसे मुद्दे उठा चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (क्क)राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया। राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को उनकी जगह दे दी। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर जानकारी दी।

लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफसे बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं। उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और आप को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। 27 फरवरी को जब सीबीआई

की अदालत से अरविंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। राज्यसभा में वे लोगों से जुड़े गिग वर्कर्स और स्कूल फीस जैसे मुद्दे उठा रहे थे।

अशोक मित्तल भी पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद हैं। पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर हैं। 2022 में राज्यसभा सांसद बने थे। राजनीति में आने से पहले वह कामयाब बिजनेसमैन रहे हैं। उनका परिवार 'लवली ग्रुप' का मालिक है, जो ऑटोमोबाइल और मिठाई (लवली स्वीट्स) के व्यवसाय से जुड़ा है।

लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर अशोक मित्तल पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद हैं।

गिग वर्कर्स का मुद्दाः ब्लिंकिट, जोमैटो और स्विगी जैसे डिलीवरी पार्टनर्स के कम वेतन, 10-मिनट डिलीवरी मॉडल और सामाजिक सुरक्षा की कमी।

डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्सः कॉपीराइट एक्ट 1957 में संशोधन की मांग की, ताकि शिक्षकों और इन्फ्लुएंसर्स को एल्गोरिदम और गलत 'टेकडाउन' से बचाया जा सके।

स्वास्थ्य क्षेत्रः 'एक देश, एक स्वास्थ्य उपचार' की वकालत की और निजी अस्पतालों की बदहाली पर चिंता जताई।

बंगाल के कोयला तस्करी मामले में आई-पीएसी के दफ्तरों में छापा, दिल्ली-हैदराबाद और बेंगलुरु पहुंची ईडी

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के कोयला तस्करी से जुड़े मामले में राजनीतिक परामर्श फर्म इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के खिलाफ बड़ा तलाशी अभियान चलाया। एजेंसी ने फर्म से संबंधित हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली के दफ्तरों पर नए सिरे से छापामारी की है। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान आई-पीएसी के निदेशकों में से एक ऋषि राज सिंह का बेंगलुरु स्थित परिसर भी जांच के दायरे में है। सभी जगह एकसाथ तलाशी चल रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये तलाशी अभियान ईडी द्वारा कोयला तस्करी मामले में जारी कार्रवाई का हिस्सा हैं। इसके तहत एजेंसी हाल के वर्षों में कई छापेमारी और गिरफ्तारियां कर चुकी है। इसी साल जनवरी में, ईडी ने आई-पीएसी के कोलकाता स्थित सॉल्ट लेक कार्यालय और उसके दूसरे निदेशक प्रतीक जैन के परिसर में तलाशी ली थी। छापामारी के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंच गईं और दस्तावेजों को अपने कब्जे में ले लिया था, जिससे बखेड़ा खड़ा हुआ था।

राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पीएसी पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के लिए काम कर रही है।

नेशनल चंबल अभयारण्य की जमीन की अधिसूचना रद्द करने पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फटकारा

जयपुर/नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार द्वारा नेशनल चंबल अभयारण्य की 732 हेक्टेयर जमीन को डी-नोटिफाई (अधिसूचना रद्द) करने के फैसले पर रोक लगा दी। अदालत ने स्पष्ट कहा कि संरक्षित प्रजातियों के लिए आरक्षित किसी भी भूमि का डी-नोटिफिकेशन स्वीकार नहीं किया जाएगा और राज्य सरकार की कार्रवाई आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं पर खरी नहीं उतरती।

सुनवाई के दौरान अदालत ने राजस्थान सरकार को अवैध रेत खनन को सुविधा देने के लिए कड़ी फटकार लगाई। न्यायालय ने माइनिंग माफिया को डकैत बताते हुए कहा

कि राजस्थान में इनके कारण कई एसडीएम, पुलिसकर्मी और वन विभाग के अधिकारियों की जान जा चुकी है। अदालत ने इसे कानून-व्यवस्था और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के लिए गंभीर स्थिति बताया।

संवेदनशील पारिस्थितिकी और संकटग्रस्त जीवों पर चिंता

पीठ ने कहा कि घड़ियाल सहित कई जलीय जीव विलुप्ति के कगार पर हैं और चंबल क्षेत्र की पारिस्थितिकी बेहद संवेदनशील है। अदालत ने टिप्पणी की कि इस तरह के क्षेत्र में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप पर्यावरण और जैव विविधता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

नेशनल चंबल अभयारण्य, जिसे नेशनल चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य भी कहा जाता है, लगभग 5,400 वर्ग किलोमीटर में फैला एक त्रि-राज्यीय संरक्षित क्षेत्र है। यह राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर चंबल नदी के किनारे स्थित है और घड़ियाल, रेड-क्राउन रूफटर्टल तथा गंगा डॉल्फिन जैसी संकटग्रस्त प्रजातियों का प्रमुख आवास है। अदालत की सहायता कर रहे एमिकस क्यूरी ने बताया कि राजस्थान ने अब तक ईको-सेंसिटिव जोन घोषित नहीं किया है और दिसंबर 2025 में 732 हेक्टेयर क्षेत्र को डी-नोटिफाई करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया था। अदालत ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि डी-नोटिफिकेशन के बाद यह जमीन राजस्व भूमि बन जाती है, जिससे संरक्षण प्रयास प्रभावित हो सकते हैं। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत वीडियो का जिक्र करते हुए न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने उन्हें डरावना बताया, जिसमें जलीय जीवों के बीच भारी मशीनों से रेत निकासी होती दिखी। अदालत ने कहा कि यह स्थिति दर्शाती है कि अवैध खनन किस स्तर तक फैल चुका है और यह गंभीर चिंता का विषय है। अदालत ने एमिकस क्यूरी और सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी की रिपोर्ट पर राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। साथ ही पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भी इस मामले में हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

शाह को काले झंडे दिखाए

15 दिन बंगाल में रहूंगाःममता को घर में हराना है, टीएमसी को खाड़ी में फेंक दो -शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूं। क्र्स्न्न को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता।

शाह का काफिला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर क्र्स्न्न कार्यकर्ता ने काफिले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिंदाबाद के नारे लगाए। सिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह गो बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए।

इसके बाद टीएमसी और बीजेपी कार्यकर्ताओं में झड़प होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़

पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा- सुवेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन मैंने उनसे कहा कि सिर्फनंदीग्राम में ही नहीं बल्कि हमें ममता को उनके घर में भी हराना होगा।

दरअसल, सीएम ममता पश्चिम बंगाल की भवानीपुर और नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ रही हैं। बीजेपी ने उनके खिलाफसुवेंदु अधिकारी को दोनों सीट से मैदान में उतारा है। भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल चुनाव के लिए भवानीपुर सीट से नामांकन दाखिल किया। मालदा की घटना पर केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि ममता बनर्जी के बयान इसके जिम्मेदार हैं।

केरलम चुनाव के लिए क्र्स्न्न और छ्स्न्न ने घोषणापत्र जारी किया। कांग्रेस कई अन्य पार्टियों के साथ यूडीएफगठबंधन में शामिल है।

मुस्लिम ष्ट्ररू वाले बयान पर बीजेपी ने कहा, अगर मुसलमान अपने में से किसी को नेता चुनते हैं, तो ममता की पार्टी को बंगाल में 30 सीटें भी नहीं मिलेंगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले टीएमसी ने अमित शाह के 15 दिन राज्य में रहने के ऐलान पर तंज कसा। पार्टी ने कहा कि बंगाल पर्यटकों का स्वागत करता है और उन्हें यहां के मशहूर व्यंजन जैसे इलिश, चिंगड़ी मलाई करी और कोशा मंग्शो का स्वाद लेना चाहिए। टीएमसी ने इसे राजनीतिक पर्यटन बताया।

केरल विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार राज्य केवल नई सरकार नहीं, बल्कि एक नई व्यवस्था चुनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा-एनडीए के पक्ष में माहौल बन रहा है और जनता बदलाव चाहती है।

कानून-व्यवस्था मुझसे छीन ली गई है, चुनाव आयोग बंगाल में राष्ट्रपति शासन चला रहा है- ममता बनर्जी

मुर्शिदाबाद। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव का शोर है। इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद के धूमुरपहाड़ और सागरदीघी में चुनावी रैलियों के दौरान चुनाव आयोग और बीजेपी पर प्रहार किया। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था और चुनाव प्रक्रिया को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।

मुर्शिदाबाद के डूमुरपहाड़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, आप सभी जानते हैं कि कानून-व्यवस्था मुझसे पूरी तरह छीन ली गई है, और चुनाव आयोग सब कुछ नियंत्रित कर रहा है। चुनाव आयोग भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नियंत्रण में है। चुनाव आयोग बंगाल में राष्ट्रपति शासन चला रहा है।

मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव पर ममता बनर्जी ने कहा, मुझे नहीं पता कि कल मालदा में हुई घटना के लिए कौन जिम्मेदार है। मुझे किसी ने भी इसकी सूचना नहीं दी।

बजट सत्र 13 दिन के लिए स्थगितः महिला आरक्षण को लेकर 16 अप्रैल से फिर बैठेगी संसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है। गुरुवार 2 अप्रैल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने वाला बजट सत्र खत्म नहीं हुआ है। सरकार ने इसे आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। अब राज्यसभा और लोकसभा में सभी सांसद एक छोटे से ब्रेक के बाद 16 अप्रैल को सुबह 11 बजे फिर से बैठेंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार का पूरा फोकस अब 'महिला आरक्षण कानून' को जल्द से जल्द जमीन पर उतारने पर है। इसके लिए लोकसभा की मौजूदा सीटों की संख्या को 543 से बढ़ाकर 816 करने की तैयारी है। इसी से जुड़े बिल और अन्य जरूरी संविधान संशोधनों को पास कराने के लिए संसद को दोबारा बुलाया जा रहा है। यह सत्र 16 अप्रैल से लेकर 18 अप्रैल तक चलेगा। गुरुवार को जब सदन की कार्यवाही चल रही थी, तब राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश ने सदन को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की। पहले के तय कार्यक्रम के मुताबिक, 28 जनवरी से शुरू हुआ बजट सत्र आज यानी 2 अप्रैल को ही समाप्त होने वाला था। लेकिन सरकार के एजेंडे में कुछ बड़ा और जरूरी काम बाकी है, जिसके चलते इस शेड्यूल को बदला गया है।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में संसद ने भारी बहुमत से महिला आरक्षण बिल को पास किया था। लेकिन उस कानून में एक पेंच फंसा था। नियम के मुताबिक, देश में अगली जनगणना और परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण लागू हो सकता था। इस प्रक्रिया में लंबा वक्त लग सकता है और मुमकिन था कि 2029 के लोकसभा चुनाव तक भी यह लागू न हो पाए।

अब सरकार इसी अड़चन को दूर करना चाहती है। सूत्रों की मानें तो सरकार एक संशोधन बिल ला रही है, जिससे नई जनगणना का इंतजार किए बिना, 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही परिसीमन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके।

खबर-खास

चूल्हा बता रहा है सब ठीक नहीं है

बिलासपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री ने सीएम को बोला सब ठीक है, सीएम ने कलेक्टर को बोला सब ठीक है, नहीं कलेक्टरों ने पत्रकारों को बोला सब ठीक है सब जानते हैं सब ठीक नहीं है और समझदारों ने सब ठीक नहीं है की आदत बनाने के लिए वैकल्पिक उपकरणों पर हाथ आजमाना चालू कर दिया किसी ने माइक्रो ओवन, इंडक्शन, क्वाईल (हीटर), का बटन दबाया तो किसी ने सौर ऊर्जा का चूल्हा ऐसे कॉलोनी क्षेत्र जहां पर अभी भी लकड़ी का इंतजाम है। पेड़ की सूखी कहानी खुद का घर है दीवाल काली हो जाएगी की चिंता नहीं है। उन्होंने चूल्हा सुविधा लिया है और उन्हें प्रतीकात्मक जवाब दिया है जो ट्रंप की जीत और फिर नेतनयाहू हो के लिए हवन कर रहे थे। घर की फेंसिंग के अंदर चूल्हा जलाकर उन्हें भी जवाब दिया जिन्होंने स्वच्छ ईंधन के नाम पर जिले में उज्जवला के 240000 कनेक्शन बांट दिया।

नारायणपुर धाम (कसडोल) में 3 दिवसीय आदिवासी कंवर (पैकरा) समाज का वार्षिक महासम्मेलन सम्पन्न

बलौदाबाजार/कसडोल (समय दर्शन)। जनपद पंचायत कसडोल अंतर्गत नारायणपुर धाम में आदिवासी कंवर (पैकरा) समाज का 3 दिवसीय वार्षिक महासम्मेलन एवं महोत्सव 31 मार्च 2026 से 2 अप्रैल 2026 तक भव्य रूप से आयोजित किया गया। महोत्सव के दौरान समाज द्वारा 3 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। इसके साथ ही भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें आदिवासी संस्कृति को पारंपरिक नृत्य एवं गीतों के माध्यम से आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा करते हुए समाज में व्याप्त कमियों को दूर करने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा गोलू जायसवाल उपस्थित रहीं। उन्होंने आदिवासी समाज की एकजुटता की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति और रीति-रिवाज छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर हैं, जो प्रदेश को विश्व स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाते हैं। उन्होंने समाज के लोगों को एकजुट रहकर कार्य करने तथा नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रथम नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नंद कुमार साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री पवन साहू, श्री मोरध्वज पैकरा सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित रहे।

विद्यालय परिवार ने दी विदाई: आदरणीय सुरेश कुमार सिवारे सर को सम्मानित किया

नंदिनी खुदिनी(समय दर्शन)। शासकीय विद्यालय नंदिनी खुदिनी के प्रांगण में आयोजित एक भव्य विदाई समारोह में आदरणीय सुरेश कुमार सिवारे सर को उनके लंबे समय तक दिए गए अमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में सरपंच श्रीमती खुशबू घनश्याम यादव, उपसरपंच श्री घनश्याम यादव, एस.एम.सी. सदस्य श्री कैलाश नाहटा, विधायक प्रतिनिधि श्री शशिकांत सेन, श्री नरसिंग जी, और अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया। सिवारे सर को शाल, श्रीफल, और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। विद्यालय की प्रधान पाठक श्रीमती झनकलता शर्मा, शिक्षक-शिक्षिकाओं में श्री उदय प्रताप सिंह चौहान, श्रीमती मनमीत कौर भाटिया, श्रीमती लता साहू, श्रीमती अर्चना वर्मा, सुश्री शाहीन, श्रीमती वर्मा, और अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, संकुल समन्वयक (घ्रष्ट) श्री ओम प्रकाश यदु, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पिटौरा के प्रधान पाठक श्री विकास कुमार धल्ले, और शासकीय प्राथमिक शाला नंदिनी खूंदिनी के प्रधान पाठक चंद्र मोहन बंसल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ किया गया।

नक्सलवाद मुक्त प्रदेश बनने की दिशा में बड़ी उपलब्धि, भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने जताया आभार

महासमुंद(समय दर्शन)। -प्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में मिल रही सफलता को ऐतिहासिक बताते हुए भाजपा जिला प्रवक्ता स्वप्निल तिवारी ने केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि देश और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, जिससे अब छत्तीसगढ़ विकास, शांति और समृद्धि के नए युग में प्रवेश कर रहा है। स्वप्निल तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि वर्षों से नक्सलवाद की समस्या से जूझ रहे प्रदेश के लिए यह एक बड़ी राहत की खबर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा के मार्गदर्शन में चलाए गए सख्त और सुनियोजित अभियान का ही परिणाम है कि आज नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की वीरता, समर्पण और रणनीतिक कार्यशैली के कारण नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। पहले जहां भय और असुरक्षा का माहौल था, वहीं अब लोगों के बीच विश्वास और विकास की नई किरण दिखाई दे रही है।

सड़कों, स्कूलों, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है, जिससे आम जनता का जीवन स्तर सुधर रहा है।

तिवारी ने आगे कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभाव अब दूर-दराज के आदिवासी और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। इससे न केवल लोगों का भरोसा शासन-प्रशासन पर बढ़ा है, बल्कि वे मुख्यधारा से जुड़कर विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का खात्मा केवल सुरक्षा बलों की कार्रवाई से ही नहीं, बल्कि विकास और विश्वास के जरिए संभव हुआ है। उन्होंने प्रदेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि अब छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि का नया अध्याय शुरू होगा। उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे, जिससे प्रदेश की तरक्की को नई गति मिलेगी। अंत में स्वप्निल तिवारी ने केंद्र और राज्य सरकार के नेतृत्व को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा और यहां के नागरिक एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन व्यतीत करेंगे।

हनुमान जयंती पर नीलू महिला स्व सहायता समूह द्वारा भव्य सुंदरकांड पाठ एवं भजन-कीर्तन

दुर्गेश्वर महादेव मंदिर आदित्य नगर में महाभंडारा, बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद,

दुर्ग (समय दर्शन)। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर नीलू सिंह महिला स्व सहायता समूह द्वारा दुर्गेश्वर महादेव मंदिर, आदित्य नगर दुर्ग में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन एवं महाभंडारे का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके पश्चात समूह की महिलाओं द्वारा सामूहिक रूप से सुंदरकांड का भावपूर्ण पाठ किया गया। सुंदरकांड पाठ के दौरान मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूब गया और श्रद्धालु भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी के जयकारों के साथ भक्ति में लीन दिखाई दिए।

इसके पश्चात भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति ने सभी उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन-कीर्तन में महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरी श्रद्धा के साथ भगवान की आराधना की।

कार्यक्रम के अंत में महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति द्वारा सुव्यवस्थित रूप से प्रसाद वितरण किया गया, जिससे सभी श्रद्धालुओं को सहजता से महाप्रसाद प्राप्त हो सका।

पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में अनुशासन, श्रद्धा एवं उत्साह का वातावरण देखने को मिला। नीलू महिला स्व सहायता समूह की इस पहल की क्षेत्रवासियों ने सराहना की और ऐसे धार्मिक आयोजनों को सामाजिक एकता एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का माध्यम बताया।

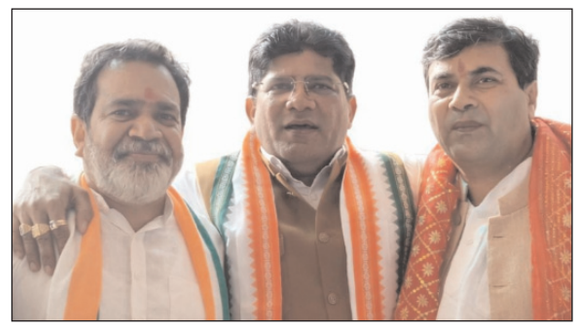

मोदी सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता के कारण महंगाई चरम पर - कांग्रेस

प्रेस से चर्चा करते हुवे तीनो जिला अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से जारी किया बायान

दुर्ग (समय दर्शन)। केंद्र की मोदी सरकार की गलत आर्थिक नीतियों और कूटनीतिक विफलताओं के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम जनता का जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। यह बात जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग (ग्रामीण) के अध्यक्ष राकेश ठाकुर, दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल एवं भिलाई शहर अध्यक्ष श्री मुकेश चंद्राकर ने संयुक्त रूप से प्रेस को जारी बयान में कही। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में 195 रुपये की वृद्धि कर दी है। इसके पहले ही पिछले तीन महीनों में 525 रुपये की बढ़ोतरी हो चुकी थी। वहीं हाल ही में घरेलू गैस सिलेंडर के

दाम में भी 62 रुपये की वृद्धि की गई है, जिससे आम गृहस्थी पर सीधा असर पड़ा है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने का दिखावा किया गया, जिसे भाजपा नेताओं ने बड़ी राहत के रूप में प्रचारित किया, लेकिन हकीकत यह है कि पेट्रोल के दाम फिर से बढ़ने लगे हैं। कुछ राज्यों में 1 रुपये से अधिक और नायरा पेट्रोल पंपों पर लगभग 4 रुपये तक की बढ़ोतरी देखी गई है।

इसके साथ ही एविएशन फ्यूल (ईक्रस्त्र) की कीमतों में वृद्धि के कारण हवाई यात्रा भी महंगी हो गई है। रोजमर्रा की जरूरतों जैसे खाद्य तेल, मावा, राशन सामग्री एवं दूध के दामों में बेतहाशा वृद्धि ने आम आदमी के किचन का बजट बिगाड़ दिया है।

दुर्ग (ग्रामीण) जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि जो खाद्य तेल कभी 70 रुपये प्रति लीटर तक पहुंचने में वर्षों लगा, वह आज 200 रुपये पार हो चुका है। वहीं, घरेलू गैस सिलेंडर, जिसे भाजपा पहले 400 रुपये में महंगा बताती थी, आज 900-1000 रुपये तक पहुंच चुका है। वर्तमान में कमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम 1580 रुपये से बढ़कर 1691 रुपये हो गया है, जो छोटे व्यापारियों और होटल व्यवसायियों पर अतिरिक्त बोझ डाल रहा है। श्री ठाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। सारी राहत केवल उनके पूंजीपति मित्रों को दी जा रही है, जबकि आम जनता महंगाई के बोझ तले दबकर अपने परिवार का भरण-पोषण करने के लिए संघर्ष कर रही है। दुर्ग शहर अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार ने मनरेगा के तहत रोजगार की कानूनी गारंटी दी थी, जिसे मोदी सरकार ने कमजोर कर गरीबों के रोजगार के अधिकार को सीमित कर दिया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना की राशि के गबन का आरोप, जांच की मांग

सरायपाली में हितग्राही पर निर्माण न करने का आरोप, जनपद की टीम ने किया निरीक्षण; ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई की उठाई मांग

सरायपाली (समय दर्शन)। जिला महासमुंद के सरायपाली तहसील अंतर्गत ग्राम गांव सरायपाली में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त शासकीय राशि के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जनपद पंचायत सरायपाली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित आवेदन देकर मामले की जांच की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम निवासी श्रीमती मीना नेताम, पति धर्मेंद्र नेताम को 21 मार्च 2025 को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत किया गया था। योजना के तहत उन्हें 24 सितंबर 2025 को प्रथम किस्त 40,000 रुपये और द्वितीय किस्त 55,000 रुपये की राशि जारी की गई थी।

ग्रामीणों का आरोप है कि राशि प्राप्त होने के बाद भी अब तक नए मकान का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है। इससे शासकीय योजना की राशि के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत सरायपाली द्वारा जांच के लिए टीम गठित की गई। जांच के लिए करारोपण अधिकारी लक्ष्मण भोई और निजी सहायक (नरेगा) निर्मला खुट्टे को सरायपाली भेजा गया। जांच के दौरान सरपंच प्रतिनिधि रंजीत यादव, उपसरपंच प्रतिनिधि प्यारे लाल नेताम, पंचगण उषा सिदार, भोलाराम, श्यामलाल नेताम, कुंजल नेताम, स्वर्ण केशरी साहू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। जांच टीम ने पंचायत भवन में बैठक लेकर मौके पर पहुंचकर निर्माणाधीन मकान का निरीक्षण किया। इस दौरान करारोपण अधिकारी लक्ष्मण भोई ने मीडिया से चर्चा में बताया कि यह नया मकान नहीं बल्कि पुराना मकान है, जिसकी छत हटाकर ऊपर ढलाई करने की तैयारी की गई थी, जो कि योजना के नियमों के अनुसार नहीं है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी आवास मित्र ही दे सकते हैं। वहीं जब इस विषय में आवास मित्र अरविंद प्रधान से चर्चा की गई तो उन्होंने डीपीसी को जरूरी नहीं बताते हुए मामले की जानकारी होने से इनकार किया और स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आए।

इस पूरे मामले को लेकर ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए तथा यदि शासकीय राशि का गलत उपयोग हुआ है तो उसकी वसूली की जाए। साथ ही संबंधित हितग्राही को योजना से वंचित करने की भी मांग की गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो शासकीय योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाएगा। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रधानमंत्री आवास योजना में सामने आए इस मामले में प्रशासन सख्त कार्रवाई करता है या फिर मामला जांच तक ही सीमित रह जाता है।

श्रीरामलला दर्शन योजना से अयोध्या और कांशी का निशुल्क यात्रा के लिए 8 अप्रैल तक आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। श्रीरामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या में श्रीराम और कांशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए आगामी 15 अप्रैल और 13 मई को इच्छुक 30 दर्शनार्थियों का दल रवाना होगा। जिले के ऐसे नागरिक जो इस दल में शामिल होना चाहते हैं वो ग्रामीण है तो अपने जनपद पंचायत सारंगढ़, बरमकेला, बिलाईगढ़ में और जो शहरी हैं वो अपने नगरपालिका सारंगढ़, नगर पंचायत सरसीवा, भटगांव बिलाईगढ़, पवनी, सरिया और बरमकेला में 8 अप्रैल तक जमा कर सकते हैं।

अवैध पदार्थ अफीम पोस्त डोडा की तस्करी करते 02 आरोपी गिरतार

1432 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम पोस्त डोडा जब्त, कीमत 2,14,80,000 रुपये

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन)। एन्टी नारकोटिक टास्क फोर्स द्वारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी तथा इंड टू इंड एवं फाइनेशियल इनवेस्टिगेशन, सोर्स प्वाइंट, डेस्टिनेशन प्वाइंट पर प्रभावी एवं विधिवत कार्यवाही करने हेतु निर्देश प्राप्त हुआ है। जिले में पुलिस के द्वारा लगातार चेंकिंग कार्यवाही की जा रही है, इसी दरमियान सूचना मिली की एक पीकप क्रमांक ।।क्र46 स्त्र 4848 में दो व्यक्ति अफीम पोस्ट डोडा रखकर उडिसा की ओर से छत्तीसगढ की ओर आ रहे है कि सूचना से एनएच 53 रोड रेहटीखोल पहूंच कर नाकाबंदी किये जहां कुछ समय बाद एक पीकप क्रमांक ।।क्र46 स्त्र 4848 आया जिसमें दो व्यक्ति बैठे थे जिसे रोका गया जिन्हे नाम पता पूछने पर चालक ने अपना नाम हरविंदर सिंह पिता गुरूमुख सिंह उम्र 40 साल साकिन म.न.1722 गली नंबर 03 शांतिनगर करनाल थाना करनाल जिला करनाल (हरियाणा)एवं बगल सीट में बैठा व्यक्ति ने अपना नाम सत्यवान वाल्मीकि पिता मांगेराम उम्र 40 साल साकिन म.न. 2268/3 शांति नगर करनाल थाना करनाल जिला करनाल (हरियाणा) का निवासी होना बताये वाहन के पीछे डाला में रखे बोरियो के बारे में पूछताछ करने पर बोरियो के अंदर अफीम पोस्ट डोडा होना बताये एवं उक्त अफीम पोस्ट डोडा को गुमला झारखंड से रायपुर छग ले जाना बताये । जिस पर विधिसम्मत कार्यवाही करते हुए आरोपियों से 1432 किलो ग्राम अफीम पोस्ट डोडा कीमत 2,14,80,000/- रुपये एवं अफीम पोस्ट डोडा परिवहन में प्रयुक्त एक पीकप क्रमांक एच आर 46 एफ4848 कीमती 10,00,000 रूपये, एवं 02 नग मोबाईल कीमती 20,000 रूपये , कुल जुमला कीमती 2,25,00,000 /- रूपये को जप्त किया गया है।

घर में स्वच्छ जल की उपलब्धता से परिवार के स्वास्थ्य में हुआ सुधार - ललिता दास

सरायपाली (समय दर्शन)। जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर जल की उपलब्धता से जिले के सरायपाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम लांती के ग्रामीणजन बहुत खुश हैं। इस उपलब्धता के लिए ग्रामीणजन केंद्र और राज्य शासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है। ग्रामीणजन बताते हैं कि एक समय था जब गांव के ग्रामीणों को पेयजल के लिए हैंडपंप और पावर पंप पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में जल संकट गहराने पर महिलाओं को दूर-दराज तक जाकर पानी लाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों की अत्यधिक खपत होती थी।

इस समस्या के समाधान हेतु जल जीवन मिशन के तहत ग्राम लांती में 85.04 लाख रुपये की लागत से सुदृढ़ जल प्रदाय व्यवस्था विकसित की गई। इसके अंतर्गत एक सुसज्जित पानी टंकी का निर्माण किया गया तथा लगभग 4400 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई। इस परियोजना के माध्यम से गांव के 233 घरों तक नल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। पहले जहां गांव में मात्र 6 हैंडपंप और 2 पावर पंप के माध्यम से जलापूर्ति होती थी, वहीं अब अधिकांश परिवारों को उनके घर पर ही नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इस उपलब्धि में ग्राम पंचायत की सरपंच सुभाषिणी साहू के नेतृत्व, पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रियता तथा ग्रामीणों के सहयोग की भूमिका रही है।

प्राचार्य जगदीश जगत को भावभीनी विदाई, जन्मोत्सव के साथ सम्मान समारोह आयोजित

बसना (समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, संकुल केंद्र बाराडोली में पदस्थ प्राचार्य जगदीश जगत के अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिवार द्वारा उनके जन्मोत्सव के साथ भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके लगभग 17 वर्षों के गौरवपूर्ण कार्यकाल को याद करते हुए विद्यालय परिवार ने उन्हें ससम्मान विदाई दी।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुई। समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे प्राचार्य जगदीश जगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान पाठक नरसिंह खूंटे ने की, जबकि प्रभारी प्रधान पाठक कामिनी साहू विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन रहीं।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों ने प्राचार्य जगदीश जगत के व्यक्तित्व एवं उनके उल्लेखनीय कार्यों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी। व्याख्याता

नरेश खटकर, समीर साहू, शिक्षक मानस रंजन पुरोहित, नरेश प्रधान, प्रसन्न प्रधान तथा रूपेश बिसी ने उनके कार्यकाल की उपलब्धियों और विद्यालय के विकास में दिए गए योगदान को स्मरण किया।

व्याख्याता सरस्वती मिश्रा ने कहा कि जगदीश जगत का सरल व्यवहार, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। वहीं व्याख्याता अनिता कौशिक ने कहा कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी शांत रहकर हालात को अनुकूल बनाने की कला उन्होंने जगदीश जगत से ही सीखी है। व्याख्याता रामजी साव, शिक्षक गौकरण सोनी एवं वरुण सिदार ने उनके मिलनसार स्वभाव, समाज सेवा और विद्यालय के प्रति समर्पण को याद किया। शिक्षक राजेन्द्र जगत ने कहा कि उनके कार्यकाल में विद्यालय में पारिवारिक वातावरण बना रहा, जिससे बच्चों को बेहतर शिक्षा और शिक्षकों को सहज माहौल में कार्य करने का अवसर मिला। इसी तरह हेमेंद्र मलिक और चक्रधर भोई ने कहा कि जगदीश जगत ने अपने सेवाकाल में केवल पढ़ाई तक ही सीमित न रहकर छात्रों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया।

संकुल समन्वयक खीरसागर खूँटे ने कहा कि अपने अनुभव और मार्गदर्शन से जगदीश जगत आगे भी समाज को नई दिशा और दशा प्रदान करते रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन ललित मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि जगदीश जगत के मूल्यवान विचार और मार्गदर्शन हमेशा विद्यालय परिवार को प्रेरणा देते रहेंगे।

इस अवसर पर शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बाराडोली के शिक्षकों ने शॉल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय की कार्यकर्ता हेमवती एवं नंदिनी का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में जानकी जीवन प्रधान ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी विद्यालय परिवार को उनके मार्गदर्शन की आवश्यकता होगी, वे निश्चित रूप से समय प्रदान करेंगे। विद्यालय परिवार ने उनके सुखद, स्वस्थ और मंगलमय जीवन की कामना की।

देश की रियासतों का भारत में विलय करने वाले सरदार पटेल लौह पुरुष और नक्सलवाद से देश को मुक्ति दिलाने वाले अमित शाह को लिखा साध्य पुरुष

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

रायपुर :- विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर नक्सलवाद से मुक्ति पर जताया उनका आभार उन्होंने पत्र में लिखा कि 31 मार्च 2026 का यह ऐतिहासिक दिन राष्ट्र के लिए एक नई आशा और नई सुबह लेकर आया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और आपके दृढ़ संकल्प से दशकों से नक्सलवाद के कष्ट झेल रही भारत भूमि अब अलोकतांत्रिक विचारधारा से पूरी तरह मुक्त हुई है। संविधान विरोधी शक्तियों ने दशकों से भारत भूमि को भीतर से चोट पहुंचाई है। माओ और लेनिन जैसी लोकतंत्र विरोधी विचारधारा ने नक्सलबाड़ी से लेकर बस्तर तक हजारों निर्दोष लोगों को अपना शिकार बनाया, विकास को बाधित कर आदिवासियों को मुख्यधारा से अलग करने का काम किया और इसका परिणाम हमनें छत्तीसगढ़ की धरती पर देखा है। जिस छत्तीसगढ़ में धान का कटोरा बनने का सामर्थ्य था, उसे भुखमरी और पलायन के दौर से गुजरना पड़ा। इस परिस्थिति के लिए जितनी जिम्मेदार नक्सलवाद की विचारधारा थी, उतनी ही जिम्मेदार तत्कालीन केंद्र सरकार भी रही।

उन्होंने आगे लिखा कि मुझे याद है जब मैं मुख्यमंत्री के रूप में राष्ट्रीय स्तर की बैठकों में जाया करता था, तब यूपीए सरकार के मंत्री नक्सलवाद को राज्य की समस्या मानकर स्वयं को किनारे कर लेते थे हालांकि बाद में क्क सरकार के प्रधानमंत्री रहे श्री मनमोहन सिंह जी ने स्पष्ट रूप से यह माना कि नक्सलवाद किसी राज्य की समस्या नहीं बल्कि राष्ट्र की समस्या है और देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। वो इसे समस्या तो मानते थे लेकिन समाधान नहीं करते थे। छत्तीसगढ़ से जब सलवा जुडूम के तौर पर एक स्वफूर्त आंदोलन उठा तब महेंद्र कर्मा जैसे बस्तर के कांग्रेसी नेताओं ने भी नक्सलवाद का

Dr Raman Singh @drra... · 39s
हर असंभव कार्य को संभव करने वाले "साध्य पुरुष" माननीय केंद्रीय गृहमंत्री श्री @AmitShah जी ने भारत माता को नक्सलवाद की पीड़ा से मुक्ति दिलाकर राष्ट्र की सुरक्षा को चारों ओर से सुदृढ़ करने का अद्भुत कार्य किया है।

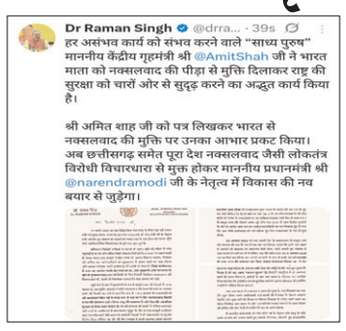

श्री अमित शाह जी को पत्र लिखकर भारत से नक्सलवाद की मुक्ति पर उनका आभार प्रकट किया। अब छत्तीसगढ़ समेत पूरा देश नक्सलवाद जैसी लोकतंत्र विरोधी विचारधारा से मुक्त होकर माननीय प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी के नेतृत्व में विकास की नव बयार से जुड़ेगा।

पुरजोर विरोध किया लेकिन उस दौर की केंद्र सरकार ने कभी खुलकर उनका समर्थन नहीं किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने आगे लिखा कि मैं मानता हूं कि यदि उस कालखंड में देश को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का नेतृत्व मिला होता और गृहमंत्री के रूप में आपका सहयोग प्राप्त होता तो नक्सलवाद मुक्त भारत के लक्ष्य को हम तब ही पूरा कर लेते लेकिन देर से ही सही पर जब 2014 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के प्रधानमंत्री पद का दायित्व संभाला उसी दिन से नक्सलवाद के समूल नाश की योजना प्रारंभ हुई और जब 2019 में आप केंद्रीय गृहमंत्री के तौर पर सामने आए तब हम छत्तीसगढ़वासियों का यह विश्वास दृढ़ हो गया कि अब सिर्फ छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरा देश नक्सलवाद के दंश से मुक्त होगा।

24 अगस्त 2024 को जब आपने देश से नक्सलवाद के समूल नाश की घोषणा की तब मेरे मन में एक बार यह विचार आया कि इतने कम समय में दशकों की समस्या का समाधान कैसे होगा, कहीं आपने इस घोषणा में जल्दबाजी तो नहीं कर दी है लेकिन जब मैंने पीछे पलट कर 5 अगस्त 2019 का वह दिन याद किया जब आपने आजादी के बाद से चली आ रही कश्मीर में धारा 370 की समस्या का किस प्रकार समाधान किया था, तो मेरा विश्वास और दृढ़ हो गया कि यदि देश से नक्सलवाद कोई समाप्त कर सकता है तो वह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केवल आप ही कर सकते हैं।

आज आपके संकल्प से जब देश से नक्सलवाद समापन का लक्ष्य पूरा हो रहा है तब मैं विशेष रूप से यह कहना चाहता हूं कि इस लक्ष्य की पूर्ति आपकी दृढ़ इच्छाशक्ति, प्रबल रणनीति और संपूर्ण सहयोग के बिना कभी संभव नहीं हो सकती थी। आज मैं पूरे जिम्मेदारी के साथ यह बात लिख रहा हूं कि आजादी के नाद 562 रियासतों का भारत में विलय कराने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के उपरांत यदि देश को कोई सबसे मजबूत गृहमंत्री मिला है तो वह आप साध्य पुरुष हैं। जिन्होंने राष्ट्रहित में हर असंभव कार्य को संभव किया है, सदियों के बाद जब भारत के इतिहास का उल्लेख होगा तब देश को आंतरिक रूप से सुरक्षित करने में आपके योगदान को स्वर्णिम अक्षरों में अंकित किया जाएगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल की पहल: छत्तीसगढ़ में फिल्म निर्माण को लगेंगे पंख

नई दिल्ली / रायपुर :- लोकसभा सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल की दूरदर्शी सोच के चलते छत्तीसगढ़ सहित देश के अन्य क्षेत्रीय फिल्म निर्माण केंद्रों के लिए विकास के नए द्वार खुलते नजर आ रहे हैं।

संसद में श्री अग्रवाल द्वारा उठाए गए प्रश्नों पर सूचना और प्रसारण एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरूगन ने राज्य में फिल्म निर्माण की बाधाओं को दूर करने और स्थानीय प्रतिभाओं को सशक्त बनाने के लिए उठाए जा रहे ठोस कदमों की जानकारी साझा की है।

एकल खिड़की प्रणाली से सुगम होगा फिल्मांकन

श्री बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ जैसे उभरते फिल्म निर्माण राज्यों (श्रेणी-ग) में एकल खिड़की (Single Window) अनुभव को बेहतर बनाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। इसके जवाब में मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि फिल्म सुविधा कार्यालय, जिसे अब इंडिया सिने हब (ICH) के रूप में जाना जाता है, छत्तीसगढ़ की राज्य-स्तरीय मंजूरी प्रणालियों के साथ एकीकृत किया जा रहा है।

सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, मेरा लक्ष्य छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक सुंदरता और यहाँ की समृद्ध संस्कृति को वैश्विक पटल पर लाना है। 'इंडिया सिने हब' के साथ राज्य प्रणालियों का एकीकरण होने से फिल्म निर्माताओं को दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे, जिससे छत्तीसगढ़ एक प्रमुख फिल्मिंग डेस्टिनेशन बनेगा।

क्षेत्रीय सिनेमा और स्थानीय प्रतिभा को प्रोत्साहन

सांसद अग्रवाल द्वारा क्षेत्रीय सर्किट में निर्माण को प्रोत्साहित करने और सांस्कृतिक बोनस जैसे अभिनव सुझावों पर सरकार ने सकारात्मक रुख दिखाया है। सरकार अब राज्यों को अपनी फिल्म नीतियों में स्थानीय भागीदारी और क्षेत्रीय सिनेमा के लिए विशेष प्रोत्साहन तंत्र शामिल करने हेतु प्रेरित कर रही है। इससे छत्तीसगढ़ के स्थानीय कलाकारों, तकनीशियनों और क्रू मेंबर्स के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

श्री बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि, छत्तीसगढ़ के फिल्म पोर्टल को राष्ट्रीय 'इंडिया सिने हब' के साथ जोड़कर आवेदन प्रक्रियाओं का मानकीकरण किया जा रहा है। साथ ही स्वदेश दर्शन जनजातीय सर्किट जैसे क्षेत्रों में पर्यावरण नियमों के पालन के साथ फिल्म शूटिंग को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे पर्यटन में वृद्धि होगी।

उन्होंने गैर-मेट्रो क्षेत्रों में 'बिलो-द-लाइन' क्रू (कैमरा असिस्टेंट, लाइटमैन, मेकअप आर्टिस्ट आदि) के लिए विशेष कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित करने पर जोर दिया।

श्री बृजमोहन अग्रवाल के इन प्रयासों से न केवल छत्तीसगढ़ के फिल्म उद्योग को मजबूती मिलेगी, बल्कि राज्य की कला और संस्कृति को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

हत्या की घटना को अंजाम देने वाला आरोपी अमित सिसोदिया (पारधी) गिरफ्तार

मृतिका अपने पूर्व पति को छोड़कर रह रही थी आरोपी के साथ

चरित्र शंका बना हत्या का कारण

रायपुर। प्रार्थी बेदराम साहू ने थाना उरला में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 31.03.2026 को शाम को कुछ बच्चे थाना उरला क्षेत्रांतर्गत शासकय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर के अंदर पीछे में 01 महिला का शव पड़ा है, जिसके सिर एवं चेहरा में पत्थर से चोट लगा है तथा खूर से सना हुआ पत्थर शव के पास पड़ा है। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा सूचना पर घटना स्थल पहुंच कर तस्दीक करने पर प्रथम दृष्टया किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा महिला की हत्या करना प्रतीत होने पर थाना उरला में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अप.क्र 111/2026 धारा 103(1) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

हत्या की घटना को पुलिस उपायुक्त नॉर्थ जोन श्री मयंक गुर्जर(भा.पु.से) द्वारा गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (नॉर्थ जोन) श्री आकाश मरकाम एवं सहायक पुलिस आयुक्त सुश्री पूर्णिमा लामा तथा थाना प्रभारी उरला को आरोपी की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा थाना प्रभारी उरला के नेतृत्व में थाना उरला पुलिस की टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा मृतक महिला की शव की सिनाख्तगी करते हुए मृतक महिला की पहचान राधा पट्टी पति दशरथ पट्टी उम्र 30 साल निवासी पौनी थाना बेनीबोरी जिला अनुपपुर मध्यप्रदेश हाल पता पारधी मोहल्ला थाना उरला के रूप में की गई। टीम के सदस्यों के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण सीन ऑफ क्राईम टीम तथा डॉग स्क्वॉड के साथ करने पर टीम के सदस्यों को प्रकरण में संलिप्त उरला निवासी अमित सिसोदिया की पतासाजी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा मृतक महिला को प्रेमिका होना बताने के साथ उसके साथ ही निवास करना बताया एवं चरित्र शंका होने पर आवेश में आकर उक्त हत्या की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया है। जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी अमित सिसोदिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में प्रायुक्त पत्थर जप्त कर आरोपी के विरूद्ध कार्यवाही किया गया है।

जंगल के मैदानों से राष्ट्रीय मंच तक : भारत की हॉकी विरासत को जीवित रखे हुए हैं जनजातीय समुदाय

रायपुर। ओडिशा ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में हॉकी का स्वर्ण पदक जीतकर अपने दबदबे को साबित किया। रायपुर के सरदार वल्लभ भाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया। रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 में ओडिशा की यह दोहरी स्वर्णिम सफलता केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे हॉकी ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में जीवन को नई दिशा दे रही है। खेल प्रतिभा के भंडार माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां मिजोरम की टीम ने फाइनल तक

जगह बनाई। ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया। झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है। लेकिन पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है। दशकों से हॉकी जनजातीय संस्कृति का हिस्सा रही है। बच्चे पेड़ की टहनियों से स्टिक बनाकर ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर नंगे पांव खेलते हैं। प्रतिभा हमेशा मौजूद थी, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं था—जो अब बदल रहा है। केंद्रीय खेल मंत्रालय और राज्यों द्वारा संचालित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेहतर बुनियादी ढांचे और संगठित जमीनी कार्यक्रमों के चलते अब एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। 1992 बार्सिलोना ओलंपिक में भारतीय टीम का हिस्सा रहे पूर्व ओलंपियन अजीत लकड़ा, जो वर्तमान में बिलासपुर सेंटर ऑफएक्सीलेंस के मुख्य कोच हैं, इस बदलाव को करीब से देख रहे हैं। उन्होंने कहा, ग्रासरूट से लेकर जूनियर और फिर सीनियर स्तर तक पूरी प्रणाली धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। खासकर जनजातीय क्षेत्रों के खिलाड़ी इससे काफी लाभान्वित हो रहे हैं।

एक माह पूर्व खड़ी दो कार में किये थे आगजनी

डी.डी. नगर क्षेत्रांतर्गत महादेव घाट क्षेत्र में दो कारों में आगजनी की घटना का खुलासा

सुनियोजित तरीके से दुर्ग से आकर वारदात को दिये थे अंजाम।

जी.पी.एस. लोकेशन के आधार पर घर के पास खड़ी कारों को किया गया चिन्हित।

प्रकरण में 03 अन्य आरोपी है फरार जिनकी तलाश है जारी।

रायपुर। गिरफ्तार आरोपी 01. मुकेश कुमार सिंह उर्फ पंचर, पिता शेष नारायण सिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी मैत्री बाघ चौक, मरोदा, भिलाई, जिला दुर्ग। 02. इमरान खान, पिता सलाउद्दीन खान, उम्र 25 वर्ष, निवासी ैष्क्क् कॉलोनी, जवाहर नगर, कोहका, भिलाई, जिला दुर्ग। 03. लिमेश उर्फ निम्बु ठाकुर, पिता संत राम ठाकुर, उम्र 25 वर्ष, निवासी रिसाली सेक्टर, भिलाई, जिला दुर्ग (मुख्य रूप से आगजनी करने वाला आरोपी)।

घटना का विवरण- प्रार्थी द्वारा थाना डी.डी. नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि घटना की रात उसने महादेव घाट के पास अपने घर के समीप दो कारें खड़ी की थीं, जिन्हें अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया गया। आरोपी घटना के बाद मोटरसाइकिल से फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त (क्राइम) के सहयोग से, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त एवं सहायक पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में साइबर सेल एवं थाना डी.डी. नगर की संयुक्त टीम गठित की गई।

जांच एवं कार्यवाही- पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीव्ही फुटेज एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की गई। आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम ने भिलाई क्षेत्र में लगातार दो दिनों तक कैम्प कर दबिश दी।

आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उन्होंने खुलासा किया कि यह घटना पूर्व नियोजित थी। मुख्य साजिशकर्ता राहुल वर्मा के निर्देश पर आरोपी दुर्ग से रायपुर आए थे। उन्होंने मास्क एवं ग्लव्स पहनकर पैशन प्रो मोटरसाइकिल से घटनास्थल पहुंचकर जीपीएस लोकेशन के माध्यम से प्रार्थी के घर के पास खड़ी कारों की पहचान की। इसके पश्चात आरोपी लिमेश उर्फ निम्बु ठाकुर ने पेट्रोल डालकर दोनों कारों में आग लगा दी, जबकि मुकेश कुमार सिंह एवं इमरान खान ने सफेद रंग की स्विफ्ट कार से सहयोग किया। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी वापस दुर्ग भाग गए। प्रकरण में मुख्य आगजनी करने वाले आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। अन्य फरार आरोपी राहुल वर्मा एवं उसके सहयोगियों की सक्रिय रूप से तलाश की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के बाद उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी।

विशेष योगदान- इस कार्यवाही में थाना डी.डी. नगर एवं एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की संयुक्त टीम का सराहनीय योगदान रहा। विशेष रूप से थाना प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार यादव, निरीक्षक सचिन सिंह (प्रभारी एसीसीयू) तथा उनकी टीम के सदस्योंकृमार्तण्ड सिंह, उपेन्द्र यादव, किशलय मिश्रा, महिपाल सिंह, आनंद, निर्मल वर्मा, आनंद देव शर्मा, दानेश्वर वर्मा, नीलम कुजूर एवं रवि देसाई (थाना नेवाई, दुर्ग) की महत्वपूर्ण भूमिका रहीं।

संक्षिप्त समाचार

धमतरी के विद्यार्थियों ने किया लोकभवन का भ्रमण : राज्यपाल से की आत्मीय मुलाकात

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका की पहल पर प्रदेश के सर्वोच्च संवैधानिक कार्यालय ''लोकभवन'' की कार्यप्रणाली से अवगत कराने और यहां की कार्यालयीन गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में आज डी.पी.एस. स्कूल के विद्यार्थियों ने आज लोकभवन का भ्रमण किया और राज्यपाल श्री रमेन डेका से आत्मीय मुलाकात की। श्री डेका ने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए उन्हें जरूरी मार्गदर्शन प्रदान किए।

श्री डेका ने कहा कि विद्यार्थी जीवन बहुत सुंदर होता है। इसका सदुपयोग करें तभी सफलता मिलेगी। जीवन के सभी निर्णयों को सोच-समझकर ठंडे दिमाग से लेना चाहिए। परिश्रम का कोई विकल्प नहीं है। हर विद्यार्थी डॉक्टर, इंजीनियर नहीं बन सकता बल्कि अनेक क्षेत्र हैं जहां अपना कैरियर बना सकते है। डी.पी.एस. स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 51 छात्र और 25 छात्राओं की टोली ने अपने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ लोकभवन का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक व कार्यालयीन महत्ता को जाना और समझा। उन्हें लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी, सचिवालय की विभिन्न शाखाओं और हरे-भरे उद्यान का भ्रमण कराया गया और इन स्थानों के संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। भ्रमण एवं अवलोकन के बाद विद्यार्थियों ने बताया कि लोकभवन में आकर उन्हें नया अनुभव हो रहा है। पहली बार वे राज्यपाल से मिले हैं साथ ही यहां की संरचना, हरियाली देखकर उन्हें बहुत खुशी हुई है।

राज्यपाल श्री डेका ने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर की पूजा-अर्चना

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नर्मदा कुंड हनुमान मंदिर स्टेशन चौक एवं सर्व धर्म हनुमान मंदिर रेल्वे स्टेशन कैम्पस रायपुर में विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर आशीर्वाद लिया।

विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस पर विशेष पहल

रायपुर। आज विश्व ऑटिज़्म जागरूकता दिवस के अवसर पर कोपलवाणी स्कूल के स्पीच थेरेपी सेंटर के बच्चे अपने माता-पिता एवं शिक्षकों के साथ लोक भवन पहुंचे और राज्यपाल श्री रमेन डेका से शिष्टाचार भेंट की। यह अवसर न केवल बच्चों के लिए विशेष रहा, बल्कि समाज में ऑटिज़्म के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। राज्यपाल ने बच्चे और उनके अभिभावकों तथा विशेष बच्चों के लिए समर्पित शिक्षकों से आत्मीय संवाद किया तथा उनके प्रयासों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने ऑटिज़्म को नज़दीक से समझने का अवसर प्राप्त किया तथा विशेष बच्चों की क्षमताओं और चुनौतियों को संवेदनशीलता के साथ जाना। कार्यक्रम के दौरान श्री डेका बच्चों के साथ अत्यंत आत्मीयता से मिले और उनके साथ समय बिताया। सभी ने मिलकर नीले रंग के गुब्बारे आकाश में छोड़कर यह संदेश दिया कि समाज में हर बच्चे को समान अवसर, समझ और स्वीकार्यता मिलनी चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने कोपलवाणी संस्था के बच्चों के आवागमन की सुविधा के लिए अपने स्वेच्छानुदान मद से ई-रिक्शा प्रदान किए और उन्होंने ई-रिक्शा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कोपलवाणी की डायरेक्टर श्रीमती पद्मा शर्मा ने बताया कि यह पहला अवसर है जब विशेष बच्चे लोकभवन पहुँचे हैं। अभिभावकों ने भी इसे गर्व का विषय बताया कि उनके बच्चे आज राज्यपाल से भेंट कर रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सही मार्गदर्शन, विशेष शिक्षकों, अभिभावकों एवं समाज के संवेदनशील लोगों के सहयोग से ये बच्चे निश्चित ही जीवन में उत्कृष्ट मुकाम प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम में संस्था के शिक्षक, शिक्षिकाएं सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लांती के 233 घरों तक अब नल से नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा

रायपुर। कभी हैंडपंप के सहारे जीवनयापन करने वाला महासमुंद जिले के सरायपाली विकासखंड का ग्राम लांती आज जल जीवन मिशन की बदौलत एक नई पहचान बना चुका है। ÷हर घर जल÷ के लक्ष्य को साकार करते हुए गांव के 233 घरों तक अब नल के माध्यम से नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। गांव में लंबे समय से पेयजल की समस्या बनी हुई थी। खासकर गर्मी के दिनों में जल संकट गहराने पर महिलाओं को दूर-दराज के स्रोतों से पानी लाना पड़ता था। इससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि अत्यधिक श्रम भी करना पड़ता था। लेकिन अब यह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।जल जीवन मिशन के तहत ग्राम लांती में 85.04 लाख रुपये की लागत से जल प्रदाय सिस्टम स्थापित किया गया है।

संपादकीय

हर क्षेत्र में निर्यात गिरा

इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को छोड़ दें, तो बाकी लगभग हर क्षेत्र में निर्यात गिरा है। ऐसे में उत्पादन संबंधी हालात का गंभीर होना लाजिमी है। फरवरी में युवा बेरोजगारी की दर चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गई। फरवरी में भारत का व्यापार घाटा पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में लगभग दो गुना हो गया। जनवरी से तुलना करें, तो व्यापार घाटे में लगभग सात बिलियन डॉलर गिरावट आई, मगर ऐसा निर्यात के साथ-साथ आयात में भी बड़ी गिरावट के कारण हुआ। जिन देशों में भारतीय वस्तुओं की मांग गिरी, उनमें अमेरिका भी है। यानी रूसी तेल आयात संबंधी टैरिफ हटाने और तथाकथित जैसे को तैसा आयात शुल्क 25 से 18 प्रतिशत करने के ट्रंप प्रशासन के फैसले से भारतीय कारोबार को कोई राहत नहीं मिली। ऐसा संभवत: इसलिए हुआ कि अन्य देशों को मिली राहत ने उनके उत्पादों को भारतीय वस्तुओं की तुलना में अधिक सस्ता बना दिया है। तो जनवरी की तुलना में फरवरी में अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात 12.9 प्रतिशत गिर गया। दरअसल, चीन को छोड़कर तमाम महत्त्वपूर्ण बाजारों के लिए भारतीय निर्यात में गिरावट आई। सिर्फ चीन के लिए भारतीय निर्यात 32.4 प्रतिशत बढ़ा, मगर वहां से आयात भी 30.5 फीसदी बढ़ गया। इस तरह चीन से पहले जारी भारी व्यापार घाटे को पाटने में ज्यादा मदद नहीं मिली। पिछले अप्रैल से इस वर्ष फरवरी तक चीन से व्यापार घाटा 102 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है, जबकि इसके पहले के वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 99 बिलियन डॉलर था। तो कुल मिलाकर विदेश व्यापार में भारत की चिंता बढ़ती जा रही है। इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को छोड़ दें, तो बाकी लगभग हर क्षेत्र में निर्यात गिर रहा है। स्विट्जरलैंड, यूएई आदि जैसे जिन देशों से मुक्त व्यापार समझौते हुए हैं, उनसे व्यापार घाटा और बढ़ा है। ऐसे में देश के अंदर उत्पादन की स्थितियों का गंभीर होना लाजिमी है। फरवरी में युवा बेरोजगारी की दर चार महीने के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गई, जबकि सरकारी परिभाषा में जिस युवा को हफ्ते में घंटे भर का भी काम मिल जाए, उसे बेरोजगार नहीं माना जाता। ऐसे में असल बेरोजगारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। दरअसल, ज्यादातर हालिया आर्थिक आंकड़े बढ़ रही मुसीबत का संकेत दे रहे हैं। ये आंकड़े गुलाबी सूरत के सरकारी कथानक में लगातार छिद्र कर रहे हैं।

ईरान बनाम इस्रायल-अमेरिका: पाक की हांडी में सुलह की खिचड़ी

डॉ. सुधीर सक्सेना

अपनी सामरिक गणित के फेल हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यपूर्व के दिनोंदिन पेचीदा और विकराल होते जाते बखेड़े से पाँव बाहर खींचने के फेर में हैं। दिलचस्प तौर पर इसके लिये उन्होंने अपने पिट्ठू पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष असीम मुनीर को चुना है और फिलहाल इस्लामाबाद में दोनों जंगजू पक्षों के दरम्यां सुलह की बातचीत चल रही है। इस्लामाबाद में चूल्हे पर हांडी चढ़ा दी गई है। बिला शक अमेरिका किसी भी विधि इस तरह पाँव पीछे खींचना चाहता है कि उसकी नाक बची रहे और उसके शर्मनाक और अपमानजनक अभियानों की फेहरिस्त में वियेतनाम और अफगानिस्तान के बाद ईरान का नाम न जुड़े। ट्रंप के पांच दिनों के इकतरफा युद्धविराम और ईरानी ठिकाने पर ताजा हमले के लिये इस्रायल को डंपटने के पीछे यही भेद छिपा है। इस बात में शक नहीं है कि ट्रंप अपने ही खब्त की गिरफ्त में हैं। वह कब क्या कर बैठेंगें, वह खुद नहीं जानते। उनके मन में वैश्विक मर्यादाओं और राष्ट्रों की संप्रुभता के प्रति कोई सम्मान नहीं है। निस्संदेह, उनकी मुहिम गैरजरूरी थी और नितांत विफल रही है। 28 फरवरी को छेड़ी गई इस मुहिम के पहले ही दौर में धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनेई को उनकी मांद में मार गिराने तक सब ठीक था, लेकिन उसके बाद ट्रंप के सारे पांसे और अंदाजे गलत निकले। मोज्तबा खामेनेई पर वार और लारीजानी की हत्या व्हाइट हाउस की %भूल गलती% सिद्ध हुई। विज्ञान में स्नातक और इमैनुएल कांट के दर्शन पर पीएचडी किये लारीजानी सूझबूझ भरे ऐसे परिपक्व और प्रभावशाली नेता थे, जिनसे बातचीत की जा सकती थी, लेकिन उनकी हत्या के बाद नेतृत्व इस्लामी गार्डों की उस छितरी हुई टोली के हाथ में चला गया, जिसमें कोई ऐसा चेहरा नहीं था, जिसका सैन्य बल और अवाम में रसूख हैं। इस बीच ईरान ने अड़ोस-पड़ोस के अमेरिकी पिट्ठुओं बहरीन, सऊदी, अरब, अरब अमीरात, कतर और ओमान तथा सुदूर दियागोगार्सिया में अड्डों पर प्रहार कर अपनी अचूक मारक क्षमता का बखूबी एहसास करा दिया। दूसरे इस्रायल के आयरन-डोम यानि लौह गुंबद या छतरी का बहुप्रचारित और गालबजाऊ मिथ भ्रांति सिद्ध हुआ। मध्यपूर्व के मुल्कों के निर्लवण-संयंत्र ईरान की सीधी जद में थे और होर्मुज जलडमरूमध्य का तुरूप का पत्ता ईरान की जेब में। तीन हफ्ता से ज्यादा की जंग ने तस्दीक कर दी थी कि ईरान घुटने नहीं टेकेगा और उसे तबाही गवारा है, मगर शिकस्त नहीं। यह भी साफ हो गया कि न तो कोई ईरानी %गुल्लू% बनने को तैयार है और न ही आर्य मेहर रजाशाह पहलवी के साहेबजादे की तेहरान वापसी में ईरान अवाम की कोई रूचि है। उलटे जियोनवादी आक्रमण ने ईरानी अवाम को मुसीबातें और दमन के बावजूद इस्लामी सत्ता के पक्ष में एकजुट कर दिया। ये ही वे सन्दर्भ हैं, जिनके चलते ट्रंप ने पहले तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगान को टटोला। बात बनी नहीं तो उनकी नज़र पाकिस्तान के सीडीसी मुनीर पर गयी। मुनीर ने एर्देगान से बात की और फिर तार जुड़े काहिरा यानि मिस्र से। सौ करोड़ डॉलर की बोली लगी। हामी के बाद ईरानी मजलिस के स्पीकर गालीबफ पर मध्यस्थों की नजर गयी। इस बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने तईं सक्रिय थे1 उन्होंने यूएई, कतर और ईरान से संपर्क साधा। दूरभाष पर मैराथन चर्चा हुई। पुतिन ने स्पष्ट कर दिया कि रूस ईरान को तबाही के रास्ते पर नहीं छोड़ सकता, क्योंकि वह उसका रणनीति साथी और मित्र है। इस बीच रूसी विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोव के इस आशय के बयान ने अमेरिका-इस्रायल की पेशानी पर सलें डाल दीं कि वे ईरान की मिसाइल समेत सामरिक क्षमता को कमतर न आंके। इस बात की तस्दीक हो गई है कि लावरोव ने ईरानी विदेश मंत्री अरागाची से फोन पर लंबी बातचीत की।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है।

इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।

यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।

इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है।

इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा।

तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज नया भारत और विकसित भारत की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें।

अत: आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें-पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं। यदि ये तीनों स्तर मजबूत हो जाएं, तो न केवल बुजुर्गों का जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक होगा, बल्कि परिवार संस्था भी मजबूत होगी और समाज में मानवीय संवेदनाएं जीवित रहेंगी। निश्चिततौर पर कहा जा सकता है कि माता-पिता केवल परिवार का हिस्सा नहीं होते, वे परिवार की जड़ होते हैं। यदि जड़ कमजोर होगी, तो वृक्ष भी कमजोर होगा। इसलिए बुजुर्गों का सम्मान और सुरक्षा केवल एक पारिवारिक या कानूनी मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिकता और सभ्यता की परीक्षा है। जो समाज अपने बुजुर्गों का सम्मान नहीं करता, वह कभी महान नहीं बन सकता।

होर्मुज संकट से बेहाल दुनिया को चीन की ऊर्जा नीति से सीख लेनी चाहिए

नीरज कुमार दुबे

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एक सख्त सच्चाई उभर कर सामने आ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की सांसें रोक दी हैं, लेकिन इस उथल पुथल के बीच चीन एक अलग ही खेल खेलता नजर आ रहा है। जहां एशिया के कई देश ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं चीन आत्मविश्वास से भरा हुआ है और दावा कर रहा है कि उसके पास ऊर्जा का पर्याप्त रणनीतिक भंडार है।

दरअसल, यह आत्मविश्वास यूं ही नहीं आया। चीन ने पिछले कई वर्षों में एक ऐसी रणनीति तैयार की है जिसने उसे वैश्विक तेल आपूर्ति के झटकों से काफी हद तक सुरक्षित बना दिया है। जब दुनिया तेल के लिए समुद्री मार्गों पर निर्भर है, चीन ने अपनी निर्भरता को योजनाबद्ध तरीके से कम किया है।

सबसे बड़ा बदलाव चीन के इलेक्ट्रिक वाहन अभियान में दिखता है। जहां 2020 में लक्ष्य रखा गया था कि 2025 तक नए वाहनों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी, वहीं यह आंकड़ा अपेक्षा से कहीं आगे निकल गया और आधे से ज्यादा नई गाड़ियां इलेक्ट्रिक हो गईं। इसका सीधा असर यह हुआ कि चीन की तेल खपत अब स्थिर होने लगी है।

आंकड़े बताते हैं कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा है, वह लगभग उतना ही है जितना चीन सऊदी अरब से आयात करता था। यह बदलाव मामूली नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा भू राजनीति की दिशा बदलने वाला संकेत है।

चीन की दूसरी सबसे बडी ताकत उसका विविधीकृत आयात तंत्र है। जहां जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश एक या दो आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर हैं, वहीं चीन ने अपने तेल स्रोतों को आठ से ज्यादा देशों में फैला रखा है। रूस, ईरान, वेनेजुएला जैसे देशों से सस्ता तेल लेकर उसने पश्चिमी प्रतिबंधों को भी अपने हित में बदल लिया है। रणनीतिक दृष्टि से यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है कि यदि किसी एक क्षेत्र में संकट आता है, तो चीन पूरी तरह ठप नहीं होगा।

तीसरा और सबसे खतरनाक दांव है चीन का विशाल तेल भंडार। अनुमान है कि उसके पास इतना तेल जमा है कि वह होर्मुज मार्ग बंद होने की स्थिति में करीब सात महीने तक अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। यह भंडारण केवल आर्थिक सुरक्षा नहीं बल्कि सामरिक हथियार भी है। देखा जाये तो ऊर्जा सुरक्षा के इस खेल में चीन ने केवल तेल पर ही भरोसा नहीं किया है। उसकी बिजली व्यवस्था लगभग आत्मनिर्भर हो चुकी है। कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा के दम पर चीन ने अपने ग्रिड को बाहरी निर्भरता से लगभग मुक्त कर लिया है।

इसके साथ ही सौर और पवन ऊर्जा का विस्फोटक विस्तार इस बात का संकेत है कि चीन भविष्य की ऊर्जा लड़ाई के लिए पहले ही तैयार है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि उसे कम एलएनजी आयात करना पड रहा है और तटीय इलाकों की निर्भरता भी घट रही है। गैस के मामले में भी चीन ने चालाकी दिखाई है। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए उसने रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से सीधी आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है। इससे समुद्री मार्गों पर निर्भरता और कम हो गई है। सामरिक नजरिए से देखें तो यह पूरी रणनीति एक गहरी सोच का परिणाम है। चीन ने समझ लिया था कि भविष्य की जंग केवल हथियारों से नहीं बल्कि ऊर्जा पर नियंत्रण से जीती जाएगी। आज जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा मंडरा रहा है, तब भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश चिंता में डूबे हुए हैं। लेकिन चीन इस संकट को अवसर में बदलने की स्थिति में है। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की तेल मांग अब चरम पर पहुंचकर घटने की ओर बढ़ रही है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में उसकी आयात निर्भरता और कम होगी, जिससे वैश्विक बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत होगी। बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम एक साफ संदेश देता है। जो देश समय रहते अपनी ऊर्जा रणनीति नहीं बदलेंगे, वे आने वाले संकटों में बुरी तरह फंस सकते हैं। चीन ने यह साबित कर दिया है कि दीर्घकालिक योजना, आक्रामक निवेश और रणनीतिक विविधीकरण के दम पर किसी भी वैश्विक संकट को मात दी जा सकती है।

चुनाव तक तेल की राहत-नीति या राजनीति?

सौरभ वार्ष्णेय

देश में पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में हालिया राहत ने आम जनता को कुछ हद तक राहत दी है। खासकर जब पांच राज्यों में चुनाव नजदीक हैं, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह राहत दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का हिस्सा है या फिर चुनावी राजनीति की एक सोची-समझी चाल। जहां दूसरे देशों में तेल की कीमतों में आग लगी हुई हैं। ऐसे में भारत जैसे देश में राहत कब तक ? यानी आप यह न समझें महंगाई काबू है। महंगाई धीरे धीरे बढ़ रही है।

भारत में ईंधन की कीमतें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के दामों, टैक्स ढांचे और सरकारी नीतियों पर निर्भर करती हैं। जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव होता है, तो उसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सरकार द्वारा टैक्स में कटौती या कंपनियों को कीमतें स्थिर रखने के निर्देश देना, तत्काल राहत तो देता है, लेकिन इसके पीछे की मंशा पर बहस होना भी स्वाभाविक है।चुनाव के समय अक्सर सरकारें जनहित में फैसले लेती हैं, लेकिन इन फैसलों का समय उन्हें राजनीतिक रंग दे देता है। तेल की कीमतों में कमी से महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलती है, परिवहन लागत घटती है और इसका सकारात्मक असर रोजमर्रा की वस्तुओं के दामों पर भी पड़ता है। इससे मतदाताओं के बीच सरकार की छवि मजबूत होती है।हालांकि, सवाल यह भी है कि क्या यह राहत स्थायी है? चुनाव खत्म होने के बाद क्या फिर से कीमतों में बढ़ोतरी होगी? यदि ऐसा होता है, तो यह साफ संकेत होगा कि यह कदम केवल चुनावी लाभ के लिए उठाया गया था। दूसरी ओर, यदि सरकार लंबे समय तक संतुलित कीमतें बनाए रखती है, तो इसे एक ठोस आर्थिक नीति कहा जा सकता है। देश की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है। वह केवल तात्कालिक राहत से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि स्थायी समाधान चाहती है। सरकार के लिए चुनौती यही है कि वह चुनावी लाभ से ऊपर उठकर ऐसी नीतियां बनाए, जो दीर्घकाल में आर्थिक स्थिरता और जनकल्याण दोनों सुनिश्चित करें। तेल की कीमतों में यह राहत चाहे जिस भी कारण से आई हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि जनता अब केवल राहत नहीं, बल्कि पारदर्शिता और स्थायित्व की अपेक्षा रखती है।

देश में जब-जब चुनावी मौसम आता है, तब-तब महंगाई का मुद्दा भी नई धार के साथ सामने खड़ा हो जाता है। इस समय पाँच राज्यों में चुनावी हलचल के बीच आम जनता की सबसे बड़ी चिंता—महंगाई—फिर से राजनीतिक बहस के केंद्र में है। रसोई गैस से लेकर पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की वस्तुओं तक, हर चीज़ की कीमतों ने आम आदमी के बजट को झकझोर कर रख दिया है।

चुनावों के दौरान अक्सर सरकारें राहत के कुछ कदम उठाती हैं—कभी ईंधन के दामों में अस्थायी कमी, तो कभी सब्सिडी या योजनाओं का ऐलान। लेकिन यह राहत अक्सर चुनाव तक ही सीमित रहती है। सवाल यह है कि क्या महंगाई केवल चुनावी मुद्दा बनकर रह जाएगी, या इसके स्थायी समाधान की दिशा में ठोस प्रयास होंगे ?विपक्ष महंगाई को सरकार की विफलता बताकर जनता के बीच जा रहा है, तो सत्तापक्ष वैश्विक कारणों—जैसे कच्चे तेल की कीमतें, अंतरराष्ट्रीय संकट—का हवाला देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश करता है। सच यह है कि महंगाई पर दोनों ही पक्षों की राजनीति के बीच आम आदमी कहीं दब जाता है।

महंगाई का सीधा असर मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर पड़ता है। बढ़ती कीमतों के कारण न केवल उनकी क्रय शक्ति घटती है, बल्कि जीवन स्तर पर भी असर पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जहाँ आय के साधन सीमित हैं।

जरूरत इस बात की है कि सरकारें अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक नीतियों पर ध्यान दें। कृषि क्षेत्र को मजबूत करना, आपूर्ति श्रृंखला को सुधारना और रोजगार के अवसर बढ़ाना—ये कुछ ऐसे कदम हैं जो महंगाई पर काबू पाने में सहायक हो सकते हैं। देश में चुनावी राजनीति से ऊपर उठकर महंगाई जैसे गंभीर मुद्दे पर सर्वदलीय सहमति बनानी होगी। क्योंकि यह केवल एक आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ा सवाल है। चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन महंगाई पर स्थायी नियंत्रण ही असली राजनीतिक सफलता का पैमाना होना चाहिए।

देश में पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता और जनता की अपेक्षाओं का प्रतिबिंब भी हैं। यह चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं जब महंगाई, बेरोजगारी, विकास और सुशासन जैसे मुद्दे आम नागरिक के जीवन को सीधे प्रभावित कर रहे हैं।

चुनावी माहौल में सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में हैं। सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियों को गिनाकर जनता से पुन: विश्वास मांग रहा है, वहीं विपक्ष सरकार की नीतियों और कमियों को उजागर कर विकल्प प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। चुनावी भाषणों में वादों की भरमार है, लेकिन असली सवाल यह है कि इन वादों का जमीनी हकीकत से कितना संबंध है।

महंगाई आज सबसे बड़ा मुद्दा बनकर उभरी है। रोजमर्रा की वस्तुओं के बढ़ते दाम ने आम आदमी की जेब पर भारी बोझ डाला है। ऐसे में मतदाता यह देख रहा है कि कौन-सी सरकार उसे राहत देने में सक्षम है। इसके साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर, किसानों की आय और बुनियादी सुविधाओं का विकास भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

इन चुनावों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इनके परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। यह चुनाव आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक संकेत भी होंगे कि जनता का रुझान किस ओर है।

हालांकि, चुनाव केवल मुद्दों और वादों तक सीमित नहीं रहने चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि मतदाता जाति, धर्म और क्षेत्रीय भावनाओं से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। एक जागरूक और जिम्मेदार मतदाता ही देश के भविष्य को सही दिशा दे सकता है।

पाँच राज्यों के ये चुनाव लोकतंत्र का उत्सव हैं, जहां जनता ही असली निर्णायक होती है। अब यह मतदाताओं पर निर्भर है कि वे किसे अपना विश्वास सौंपते हैं और किसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाते हैं।ऐसे में अगर महंगाई काबू रहे तो अर्थ के लिए अच्छा है। लेकिन यह सब जानते है कि यह चुनाव वाद महंगाई बढनी तय है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

पश्चिम एशियाई संकट के बीच बीजापुर में हालात सामान्य

एलपीजी-पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता - कलेक्टर व एसपी ने प्रेसवार्ता में दी जानकारी

बीजापुर (समय दर्शन) । पश्चिम एशियाई संकट की पृष्ठभूमि में संभावित प्रभावों को लेकर जिले में किसी भी तरह की आशंका को दूर करने हेतु कलेक्टर श्री संबित मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने संयुक्त प्रेस वार्ता आयोजित कर स्थिति स्पष्ट की। दोनों अधिकारियों ने एक स्वर में कहा कि जिले में सभी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जानकारी दी कि केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से प्रदेश सहित बीजापुर जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं आएगी। पेट्रोल और डीजल की भी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम एवं गैस मंत्रालय द्वारा 28 फरवरी 2026 के बाद उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप आपूर्ति व्यवस्था मजबूत बनी हुई है। प्रेस वार्ता में कलेक्टर ने पीपीटी के माध्यम से जिले में उपलब्ध गैस स्टॉक, घरेलू एवं व्यावसायिक कनेक्शनों की स्थिति तथा प्रतिदिन की बुकिंग संबंधी आंकड़े साझा किए। साथ ही खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तु प्रबंधन के तहत राज्य एवं जिला स्तर पर की जा रही कार्यवाहियों की जानकारी देते हुए बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत आपूर्ति और भंडारण पर प्रशासन सतत निगरानी रख रहा है। जिले में 30 से 45 दिनों का अग्रिम खाद्यान्न स्टॉक सुरक्षित रखने की व्यवस्था भी की जा रही है। किसानों के लिए खाद की उपलब्धता पर भी उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व की भांति ही आपूर्ति जारी रहेगी और किसी प्रकार की कमी नहीं होगी। आम जनता की सुविधा के लिए राज्य स्तरीय हेल्पलाइन नंबर तथा जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या या जानकारी के लिए नागरिक सीधे संपर्क कर सकें। कलेक्टर ने विशेष रूप से अफवाहों से बचने की अपील करते हुए कहा कि भ्रामक एवं अपुष्ट खबरें समाज में भय और अस्थिरता पैदा करती हैं। उन्होंने मीडिया से आग्रह किया कि किसी भी समाचार के प्रकाशन से पहले प्रशासन से पुष्टि अवश्य करें, ताकि जनता तक सही और तथ्यात्मक जानकारी पहुंचे। वहीं आम नागरिकों से भी सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों से सतर्क रहने को कहा। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले में कानून व्यवस्था पूरी तरह सुचारू है। बीजापुर दो अंतरराज्यीय सीमाओं से जुड़ा होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई है और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार है। बैठक के दौरान कलेक्टर और एसपी ने 31 मार्च को बीजापुर जिले के सशस्त्र माओवाद से मुक्त होने पर जिलेवासियों को बधाई दी। उन्होंने जिले के विकास में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि बीजापुर के मीडिया ने हमेशा सकारात्मक योगदान दिया है और आगे भी इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि वर्तमान स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और जनता को किसी भी प्रकार की घबराहट या अफवाहों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

डेटॉल ने लॉन्च किया नया कैंपेन, मां की सुरक्षा की भावना को किया सेलिब्रेट, देखभाल के हर मौके पर डेटॉल की अहम भूमिका को करता है मजबूत

नईदिल्ली। डेटॉल, भारत का प्रमुख जर्म प्रोटेक्शन ब्रांड, अपने आइकॉनिक डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड के लिए एक नया भावनात्मक कैंपेन लेकर आया है। यह कैंपेन भावनाओं पर आधारित कहानी के जरिए परिवारों के साथ ब्रांड के जुड़ाव को मजबूत करता है और इसकी बेजोड़ सुरक्षा को उजागर करता है। मां की सहज देखभाल की भावना पर आधारित यह कैंपेन एक सरल संदेश देता है: मां और डेटॉल जैसी सुरक्षा कोई नहीं देता। कई पीढ़ियों से डेटॉल सिर्फ एक प्रोडक्ट नहीं, बल्कि मुश्किल समय में भरोसेमंद साथी रहा है। नई फिल्म इसी भावना को एक शादी के घर की चहल-पहल भरे माहौल में एक कोमल पल के जरिए दिखाती है। जश्न के बीच एक छोटा लड़का खुद को चोट लगने के बाद भी उसे सबसे छिपा लेता है और बहादुरी दिखाने की कोशिश करता है। लेकिन जैसे ही वह अपनी मां के पास पहुंचता है, मां तुरंत महसूस कर लेती है कि कुछ ठीक नहीं है। जब वह डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड से उसकी चोट साफ करती है, तो लड़का अपनी झिझक छोड़ देता है और उसका दर्द सामने आ जाता है। इसके बाद एक भावुक पल आता है, जहां भूमिकाएं बदल जाती हैं और वही बच्चा अपनी मां को सांत्वना देता है।

फिल्म का अंत इस संदेश के साथ होता है: अपनों की सुरक्षा का मजबूत सहारा। यह दिखाता है कि डेटॉल आज भी भारतीय घरों में मांओं के साथ खड़ा है, जहां प्यार स्वाभाविक है और सुरक्षा भरोसेमंद। इस फिल्म को प्रसून जोशी के कॉन्सेप्ट और लेखन ने जीवंत बनाया है। इसका मूल संगीत विशाल खुराना के ने तैयार किया है, जिसे जावेद अली ने गाया है। गीत के बोल भी प्रसून जोशी ने लिखे हैं, और निर्देशन अमित शर्मा ने किया है। यह फिल्म भावनाओं, संस्कृति और वास्तविकता का सुंदर संगम प्रस्तुत करती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रेकिट -साउथ एशिया के ईवीपी रीजनल डायरेक्टर गौरव जैन ने कहा, रेकिट में हम मानते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल उत्पाद उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है—हम एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए यहां हैं जहां लोग सुरक्षित महसूस करें, संरक्षित रहें और एक-दूसरे की देखभाल करने के लिए सक्षम बनें। डेटॉल इस मिशन के केंद्र में है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2026 में 63.69 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. (HMSI) ने मार्च 2026 में कुल 5,49,145 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो मार्च 2025 के मुकाबले 29त्न की मजबूत वृद्धि दर्शाती है। इस अवधि में 5,12,303 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 36,842 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। मार्च के इस प्रदर्शन ने एचएमएसआई को वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल 2025 - मार्च 2026) को मजबूत स्तर पर समाप्त करने में मदद की। कंपनी ने कुल 63,69,504 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें 57,49,275 यूनिट्स की घरेलू बिक्री और 6,20,229 यूनिट्स का निर्यात शामिल है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की तुलना में वित्त वर्ष 2026 में 9त्न की वृद्धि दर्ज की, जो ग्राहकों की लगातार मांग, बेहतर होते बाजार माहौल और प्रमुख सेगमेंट्स में अपनी मौजूदगी मजबूत करने पर एचएमएसआई के निरंतर फोकस को दर्शाता है। यह वर्ष घरेलू और निर्यात बाजारों में संतुलित प्रदर्शन का गवाह रहा, जिसे मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और गुणवत्ता, विश्वसनीयता तथा ग्राहक संतुष्टि पर निरंतर फोकस का समर्थन मिला। एचएमएसआई अपने 7000 से अधिक टचपॉइंट्स के माध्यम से ग्राहकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने वाले उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हुए अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया ने Q1 CY26 में हासिल की 10 लाख से अधिक एसी की बिक्री - कंपनी के मार्केट लीडरशिप को मिली मजबूती

नई दिल्ली: एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया (एलजीई इंडिया) ने आज 2026 की पहली तिमाही में 10 लाख से अधिक एयर कंडीशनर की बिक्री की घोषणा की। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत में कंपनी के इतिहास में गर्मी के मौसम की सबसे तेज़ और सबसे मजबूत शुरुआत है। यह माइलस्टोन न केवल एलजीई इंडिया की काम करने की बेहतरीन क्षमता औरसप्लाई चेन की तेज़ी को दिखाती है, बल्कि भारत के तेज़ी से बढ़ते और कड़े मुकाबले वाले एयर कंडीशनर बाज़ार में एक मज़बूत लीडर के रूप में इसकी स्थिति को भी मजबूत करता है। इस उपलब्धि का एक मुख्य चालक सीजन से काफी पहले अपने नए बीईई (BEE) स्टार-रेटेड अनुपालन वाले एसी लाइन-अप को लॉन्च करने के संबंध में एलजीई इंडिया का फर्स्ट-मूवर लाभ था, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि खुदरा भागीदार और ग्राहक बिना किसी बाधा के बेहतर, ऊर्जा-कुशल उत्पादों को सहजता से अपना सकें।

श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

लगभग 100 बीमित श्रमिकों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के निर्देशानुसार विगत दिवस अक्षय पात्र फाउंडेशन, सेक्टर-6, मिलाई, जिला दुर्ग में कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं (श्रम विभाग) रिसाली मरौदा केन्द्र द्वारा श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया।

बीमा चिकित्सा पदाधिकारी कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं रिसाली-मरौदा से प्राप्त जानकारी अनुसार इस शिविर में लगभग 100 बीमित श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें रक्तचाप, मधुमेह एवं रक्त जांच शामिल रही। जांच के पश्चात आवश्यक औषधियों का वितरण भी किया गया। साथ ही श्रमिकों को बीमारियों से बचाव हेतु जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत मिलने वाले चिकित्सा हितलाभ, नकद हितलाभ, विकलांगता हितलाभ, मातृत्व हितलाभ तथा द्वितीयक एवं तृतीयक चिकित्सा उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई।

कार्यक्रम का संचालन रिसाली मरौदा केन्द्र की प्रभारी बीमा चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सूर्या वर्मा के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती किरण, श्रीमती योगिता पटेल, श्रीमती अनुराधा बघेल, मो. तैयुब अंसारी, श्री धनंजय वर्मा एवं श्री हुमन सहित टीम के अन्य सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

घरेलू गैस और ईंधन आपूर्ति के लिए राज्य व जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित

बीजापुर (समय दर्शन)। पश्चिम एशिया में जारी संकट को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन ने आम नागरिकों की सुविधा और राहत के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश में घरेलू गैस, पेट्रोल एवं डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि ईंधन की उपलब्धता में किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर नागरिकों को तुरंत सहायता मिल सके। इसके लिए राज्य सरकार ने 18002333663 नंबर पर आपातकालीन सहायता केंद्र भी शुरू किया है, जहां लोग अपनी समस्याएं दर्ज कराकर शीघ्र समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

जिला स्तर पर भी व्यवस्था को मजबूत किया गया है, बीजापुर जिले में नियंत्रण कक्ष के लिए मोबाइल नंबर +91-8815259949 (सहायक खाद्य अधिकारी) और +91-8815339093 जारी किए गए हैं, जिन पर संपर्क कर नागरिक अपनी समस्याएं बता सकते हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान परिस्थितियों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। साथ ही, किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार की इस पहल से आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है और संकट की स्थिति में आवश्यक सेवाओं की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

घाटलोहंगा में भीषण गर्मी में राहगीरों के लिए शुरू हुआ शीतल प्याऊ जल

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा बस्तर के घाटलोहंगा में मानवता की मिसाल

जगदलपुर (समय दर्शन)। बस्तर जिले में सूर्य के बढ़ते तेवर और भीषण गर्मी को देखते हुए मानवता की सेवा के लिए एक सराहनीय पहल की गई है। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संघ बस्तर तथा राष्ट्रीय सेवा योजना घाटलोहंगा के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय यात्री प्रतीक्षालय में शीतल जल प्याऊ घर का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस सेवा कार्य का मुख्य उद्देश्य चिलचिलाती धूप में सफर करने वाले यात्रियों और आसपास के ग्रामीणों को ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध कराना है। इस पुनीत कार्य का शुभारंभ ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती दिया भद्रे और उप सरपंच श्री यमुना तिवारी के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस गरिमामयी अवसर पर डीओसी (स्काउट) दसरुराम यादव, जिला सचिव लिलेश कुमार देवांगन, वरिष्ठ ग्रामीण यशवंत तिवारी और पूर्व सरपंच कुशल बघेल सहित ग्राम पटेल एवं क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद हिंदी उत्कृष्ट शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घाटलोहंगा के प्राचार्य एवं शैक्षणिक स्टाफ ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि इस जल सेवा अभियान को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी विद्यालय के सुभाषचंद्र बोस स्काउट दल और इन्दिरा गाइड टीम ने उठाई है, जो पूरे माह निस्वार्थ भाव से यहाँ अपनी सेवाएं देंगे। इस पूरे अभियान को राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव बृजेश बाजपेई, जिला मुख्य आयुक्त संजय पाण्डे तथा जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त (स्काउट) बीआर बघेल का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। सेवा की इस कड़ी में राज्यपाल अवार्डी पुष्पा बघेल के साथ-साथ अतुल, रामेश्वरी, माहेअक्शा, जिज्ञासा और एनएसएस के अन्य स्वयंसेवक पूरी निष्ठा से जुटे हुए हैं। इन युवाओं के जज्बे को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने भी इस पुनीत कार्य में अपना हरसंभव सहयोग देने का संकल्प लिया है।

पांच दिवसीय पीएम श्री शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आईआईटी भिलाई में संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण आईआईटी भिलाई में आयोजित किया गया। पांच दिन का यह ट्रेनिंग प्रोग्राम टीचर्स को एक्सपीरिएंशियल लर्निंग और एनईपी 2020 के हिसाब से पढ़ाने का तरीका देने के लिए बनाया गया है।

यह एक्टिविटी-बेस्ड, एक्सपीरिएंशियल और वोकेशनल लर्निंग पर फोकस करता है, जैसे विज़ुअल प्रोग्रामिंग, एनिमेशन, डेटा साइंस, मेक्ट्रोनिक्स, नेचुरल फार्मिंग, और आईआईटी भिलाई में बन रहे शिक्षा सारथी सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग।

टीचर्स को आईआईटी भिलाई की अलग-अलग लैब्स में जाने का मौका मिल रहा है,

और उन्हें 21वीं सदी में पढ़ाने की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए अलग-अलग टेक्नोलॉजी और टूल्स से इंट्रोड्यूस कराया जा रहा है।

हम कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कोऑर्डिनेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस बनाना और रेजिलिएंस जैसी ज़रूरी स्किल्स पर फोकस कर रहे हैं।

रीइन्फोर्समेंट लर्निंग और टीचर्स द्वारा पढ़ाने के तरीकों को शेयर करने को बढ़ावा दिया जाएगा।

गर्मी व लू से बचाव के लिए प्रशासन की एडवाइजरी

लू के लक्षण और इससे बचाव के उपाय बताने आयोजित होंगे जन जागरूकता कार्यक्रम, विभिन्न विभागों को मिली जिम्मेदारियां

-गर्मी में स्वस्थ रहने के लिए जरूरी सावधानियां

-लू लगने पर तुरंत क्या करें?

दुर्ग (समय दर्शन)। ग्रीष्म ऋतु वर्ष 2026 को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये गये हैं। जिसमें लू के लक्षण, लू से बचाव के उपाय, प्रारंभिक उपचार और आवश्यक सांवधानियां संबंधी आवश्यक निर्देश दिये गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को लू के लक्षण, लू से बचाव, लू लगने पर प्रारंभिक उपचार हेतु जनसमुदाय में जागरूकता लाने व प्रशिक्षण देने हेतु निर्देशित किया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में लू से प्रभावित मरीजों का प्राथमिकता से परीक्षण करने के निर्देश भी दिये गये हैं। साथ ही जिले के संबंधित सभी विभागों के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए गए है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लू बचाव/उपाय के संबंध में जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा।

लक्षण- सिर से भारीपान और दर्द होना, तेज बुखार के साथ मुंह का सूखना, चक्कर और उल्टी आना, कमजोरी के साथ शरीर में दर्द होना, शरीर का तापमान अधिक हो जाने के बाद भी पसीने का न आना, अधिक प्यास और पेशाब कम आना, भूख कम लगना तथा बेहोश होना।

बचाव के उपाय- लू लगने का प्रमुख कारण तेज धूप और गर्मी से ज्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में पानी और खनिज मुख्यतया नमक की कमी हो जाना होता है। अत: इससे बचाव के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए- बहुत अनिवार्य न हो तो घर से बाहर ना जाए। धूप से निकलने से पहले सर व कानों को कपड़े से अच्छी तरह से बांध लें। पानी अधिक मात्रा में पीये और अधिक समय तक धूप में न रहें। गर्मी के दौरान नरम मुलायम सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि हवा और कपड़े पसीने को सोखते रहे। इसी प्रकार अधिक पसीना आने की स्थिति में ओ.आर.एस. घोल पीयें। चक्कर आने, उल्टी आने पर छायादार स्थान पर विश्राम करें तथा शीतल पेय जल अथवा उपलब्ध हो तो फल का रस, लस्सी, मठा आदि का सेवन करें। प्रारंभिक सलाह के लिए 104 आरोग्य सेवा केन्द्र से नि:शुल्क परामर्श लिया जाए और उल्टी, सर दर्द, तेज बुखार की दशा में निकट के अस्पताल अथवा स्वास्थ्य केन्द्र से जरूरी सलाह लिया जाए।

लू लगने पर किये जाने वाला प्रारंभिक उपचार- बुखार पीड़ित व्यक्ति के सर पर ठण्डे पानी की पट्टी लगावें, अधिक पानी व पेय पदार्थ पिलावें जैसे कच्चे आम का पना, जल जीरा आदि, पीड़ित व्यक्ति को पंखे के नीचे हवा में लिटा देवें, शरीर पर ठण्डे पानी का छिड़काव करते रहें, पीड़ित व्यक्ति को यथाशीघ्र किसी नजदीकी चिकित्सा केन्द्र में उपचार हेतु ले जाए तथा मितानिन ए.एन.एम. से ओ.आर.एस. के पैकेट हेतु संपर्क करें।

क्या करें-

जितना हो सके पर्याप्त पानी पीये, भले ही प्यास न लगी हो। मिर्गी, हृदय, गुर्दे या लीवर से संबंधित रोग वाले जो तरल प्रतिबंधित आहार लेते हो, तरल पदार्थ लेने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। हल्के, हल्के रंग के, ढीले सूती कपड़े पहने। ओ.आर.एस. (ओरल रिहाइड्रेशन) घोल, घर का बना पेय लस्सी, (तोरानी चावल) का पानी, नींबू का पानी, छांछ आदि का उपयोग करें। बाहर जाने से बचे, यदि बाहर जाना आवश्यक है, तो अपने सिर (कपड़े/टोपी या छाता) और चेहरे को कवर करें। जहां तक संभव हो किसी भी सतह को छूने से बचें।

खबर-खास

बुथ कमेटी गठन की बैठक

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी व जिला कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा विधायक जनक राम ध्रुव की उपस्थिति में संगठन सृजन पंचायत वार्ड एवं बुथ कमेटी गठन की बैठक ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित मिरी के नेतृत्व में नहरगांव मंडल का बैठक रखा गया। उक्त बैठक में पंचायत अध्यक्ष व बुथ अध्यक्ष का गठन करते हुए कार्यकर्ताओं को मजबूत करने पर जोर दिया गया बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष रमेश शर्मा,जिला महामंत्री ब्लॉक प्रभारी पन्ना लाल ध्रुव,महामंत्री डिलेश्वर देवांगन मंडल अध्यक्ष भानु सिन्हा,केशु सिन्हा,विधानसभा अध्यक्ष अमृत पटेल, सेक्टर अध्यक्ष समीद खान,डैनी ध्रुव,नोबेल सेन,खम्मन दिवान,संतोष कुमार,पुनीत राम,महेश ध्रुव,महेश ठाकुर,देवलाल ध्रुव,पप्पू गुप्ता, भूपेंद्र साहू,लक्ष्मी नारायण,संतोष यादव,गोपाल देवांगन,उदित कुमार,साकेत शर्मा,मिथलेश, परमेश्वर ध्रुव,लखन,नरेंद्र,चितरंजन दीवान,धनराज निषाद, तुकेश्वर सेन,पुरषोत्तम, गुलशनध्रुव,लोमश, टेमलाल,देवालीराम,अधिन राम,भुनेश्वर निषाद,चुम्मन सिंह,घनश्याम ओगरे बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कलेक्टरेट परिसर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई हनुमान जयंती

बेमेतरा (समय दर्शन)। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर कलेक्टरेट परिसर स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई एवं पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू ने विधि-विधान से भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना कर जिले की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। उन्होंने प्रदेश एवं जिले के नागरिकों के जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि बनी रहने की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में कलेक्टरेट परिसर के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की और भगवान हनुमान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात सभी ने प्रसाद ग्रहण कर एक-दूसरे को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दीं। हनुमान जयंती के अवसर पर जिले के विभिन्न मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर भी विशेष पूजा-पाठ, सुंदरकांड पाठ, भजन-कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और पूरे जिले में भक्ति एवं आस्था का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने कहा कि भगवान हनुमान की भक्ति हमें शक्ति, साहस और सेवा भाव का संदेश देती है। हनुमान जयंती का पर्व समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और समर्पण की भावना को मजबूत करता है।

शब्दभेदी बाण और कर्मा नृत्य के सिद्धहस्त कलाकार

भिलाई (समय दर्शन)। साहित्यिक संस्था अगासदिया द्वारा आमदीनगर (भिलाई) में कल एक अप्रैल को छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध लोक- कलाकार स्वर्गीय दाऊ कोदूराम वर्मा की 102वीं जयंती पर उनकी स्मृति में विशेष समारोह का आयोजन किया गया । उन्हें छत्तीसगढ़ सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा लोक -कला, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ी लोक नाट्य (नाचा) के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वर्ष 2007 में दाऊ मंदराजी सम्मान से भी विभूषित किया जा चुका है ।

अगासदिया के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. परदेशीराम वर्मा ने आज बताया कि छत्तीसगढ़ी लोक कलाओं के लिए आजीवन समर्पित रहे स्वर्गीय कोदूराम वर्मा शब्दभेदी बाण और कर्मा नृत्य के भी सिद्धहस्त कलाकार थे। वे तत्कालीन मध्यप्रदेश आदिवासी लोक कला परिषद के सदस्य भी रह चुके थे। स्वर्गीय वर्मा दुर्ग जिले में चलाए गए साक्षरता अभियान के भी प्रमुख कलाकार थे । लगभग तीन दशक पहले नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय समारोह में उन्होंने अपनी नृत्य मंडली के साथ तत्कालीन राष्ट्रपति के सामने छत्तीसगढ़ी कर्मा नृत्य का शानदार प्रदर्शन किया था और राष्ट्रपति के हाथों सम्मानित हुए थे । स्वर्गीय कोदूराम वर्मा की याद में कल एक अप्रैल को आयोजित 102 वें जयंती समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में साहित्य, कला और सांस्कृतिक लोकमंचों के माध्यम से बड़ा योगदान दिया है। अगासदिया द्वारा ऐसे पुरोधा सदैव याद किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ी भाषा आठवीं अनुसूची में सम्मिलित हो यह हमारा सपना और संकल्प है।

जय बजरंगबली के जयघोष से गूंजा नगर, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

हनुमान जन्मोत्सवः आस्था, शक्ति और भक्ति का अद्भुत संगम

गरियाबंद (समय दर्शन)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर नगर सहित पूरे जिले में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी और जय श्री राम व जय बजरंगबली के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।जगह-जगह सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा का पाठ और भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किए।

नगर के हनुमान मंदिरों में विशेष सजावट की गई। भक्तों ने सुबह से ही तेल, सिंदूर, फूल-माला और लड्डू चढ़ाकर बजरंगबली की पूजा-अर्चना की। कई स्थानों पर अखंड रामायण और सुंदरकांड पाठ का आयोजन

हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।श्रद्धालुओं के लिए जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया,जहां हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कई सामाजिक संगठनों ने इस अवसर पर खीर पूड़ी और शरबत का वितरित कर सेवा का संदेश दिया।

हनुमान जन्मोत्सव भगवान हनुमान के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, जो शक्ति, भक्ति और निष्ठा के प्रतीक माने जाते हैं। इस दिन उनकी पूजा करने से भय, रोग और संकट दूर होते हैं तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। हनुमान जन्मोत्सव ने एक बार फिर समाज में एकता, भक्ति और सेवा भाव का संदेश दिया। पूरे नगर में उत्साह और श्रद्धा का माहौल बना रहा, जिससे यह पर्व यादगार बन गया। हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिर में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु और शोभायात्रा में शामिल भक्तों की उमड़ी भीड़।

पांच दिवसीय पीएम श्री शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम 2026 आईआईटी भिलाई में संपन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले के पीएम श्री विद्यालय के शिक्षकों का प्रशिक्षण आईआईटी भिलाई में आयोजित किया गया। पांच दिन का यह ट्रेनिंग प्रोग्राम टीचर्स को एक्सपीरिएंशियल लर्निंग और एनईपी 2020 के हिसाब से पढ़ाने का तरीका देने के लिए बनाया गया है। यह एक्टिविटी-बेस्ड, एक्सपीरिएंशियल और वोकेशनल लर्निंग पर फोकस करता है, जैसे विजुअल प्रोग्रामिंग, एनिमेशन, डेटा साइंस, मेक्ट्रोनिक्स, नेचुरल फार्मिंग, और आईआईटी भिलाई में बन रहे शिक्षा सारथी सॉफ्टवेयर पर ट्रेनिंग।

टीचर्स को आईआईटी भिलाई की अलग-अलग लैब्स में जाने का मौका मिल रहा है, और उन्हें 21वीं सदी में पढ़ाने की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद करने के लिए अलग-अलग टेक्नोलॉजी और टूल्स से इंट्रोड्यूस कराया जा रहा है। हम कॉम्प्लेक्स प्रॉब्लम सॉल्विंग, क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी, कोऑर्डिनेशन, इमोशनल इंटेलिजेंस बनाना और रेजिलिएंस जैसी ज़रूरी स्किल्स पर फोकस कर रहे हैं। र

ट्रेनिंग पूर्ण कर गांव लौटे सूबेदार पुष्पेंद्रराज खटर्जी का भव्य स्वागत, क्षेत्र में खुशी की लहर

सक्ती (समय दर्शन)। जिले के ग्राम पंचायत धमनी में उस समय उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला, जब गांव के होनहार युवक पुष्पेंद्रराज खटर्जी एक वर्ष की कठिन ट्रेनिंग पूरी कर सूबेदार पद पर चयनित होकर अपने गृह ग्राम लौटे। उनके आगमन पर ग्रामीणों, परिजनों और मित्रों ने ढोल-नगाड़ों, डीजे और देशभक्ति गीतों के साथ भव्य स्वागत किया। पूरे गांव में जश्न का माहौल रहा और हर कोई इस उपलब्धि पर गर्व करता नजर आया।

पुष्पेंद्रराज खटर्जी का चयन छत्तीसगढ़ पुलिस में सूबेदार पद पर हुआ है। ट्रेनिंग पूर्ण करने के बाद पहली बार गांव पहुंचने पर लोगों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। युवा साथियों ने देशभक्ति गीतों पर नृत्य किया, वहीं बुजुर्गों ने आशीर्वाद देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पुष्पेंद्रराज बचपन से ही मेधावी और परिश्रमी रहे हैं। उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी पढ़ाई जारी रखी और लक्ष्य प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत की। उनके पिता स्वर्गीय छोटेलाल खटर्जी ग्राम पंचायत धमनी के कई बार सरपंच रहे और एक लोकप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में जाने जाते थे। उनके असामयिक निधन के बाद परिवार पर संकट आ गया था और घर की जिम्मेदारी उनकी माता एवं बहन पर आ गई थी।

कम उम्र में ही पिता का साया सिर से उठ जाने के बावजूद पुष्पेंद्रराज ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखा और निरंतर प्रयास करते हुए यह मुकाम हासिल किया। उनकी इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प और मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

इस स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दीपक मधुकर (सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम धमनी), विजय केशी (जनपद सदस्य), युवराज साहू (उपसरपंच), ननकीदाऊ खटर्जी, लक्ष्मी प्रसाद बंजारे, कुमारजीव खटर्जी मनोज खटर्जी बिहारी खटर्जी संदीप मनहर सुरेंद्र खटर्जी विकास मधुकर विजेंद्र अमरपाल खटर्जी, दीपेश मधुकर, गणेश धीरहे, सम्मेलल मधुकर, विजय खटर्जी, प्रदीप खटर्जी, सोनू निराला, पेशराम खूंटे, रिक्सन कोयल, रोहित कोयल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और महिलाएं उपस्थित रहे।

पुष्पेंद्रराज की इस उपलब्धि से पूरा गांव गौरवान्वित है। ग्रामीणों ने कहा कि यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा है और इससे अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने का उत्साह मिलेगा। गांव में हुए इस स्वागत कार्यक्रम ने न केवल एक युवा की सफलता का जश्न मनाया, बल्कि पूरे समाज में सकारात्मक संदेश भी लेकर आया है।

मोदी सरकार की आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता के कारण महंगाई बढ़ गयी-बेसरा जिला अध्यक्ष

गरियाबंद (समय दर्शन)। मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और कूटनीतिक विफलता के कारण महंगाई बढ़ गयी है। मोदी सरकार ने एक बार फिर कमर्शियल गैस के दाम में 195 रु.की बढ़ोतरी कर दिया।इसके पहले तीन महीने में कमर्शियल गैस के दाम में 525 रु. की बढ़ोतरी हुई थी।पिछले हफ्ते ही मोदी सरकार ने घरेलू गैस के दाम में 62 रु की बढ़ोतरी कर दिया। सरकार ने खूब वाहवाही लिया कि पेट्रोल, डीजल पर एक्साइज कम कर दिया भाजपा नेता इसको सरकार की बड़ी राहत प्रचारित कर रहे थे लेकिन आज ही पेट्रोल के दाम में 1 रु. से अधिक की बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों में हुई है उक्त उद्बोधन कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने पत्रकारों के संबोधित करते हुए कहा। स्थानीय रेस्ट हाउस में जिले के कांग्रेस अध्यक्ष सुखचंद बेसरा के द्वारा देश में गैस पेट्रोल और डीजल के बढ़ रहे महंगाई को लेकर पत्रकार वार्ता रखा,जिसमे आगे उन्होंने कहा कि नायरा के पेट्रोल पंप में तो यह बढ़ोतरी 4 रु. की है। एवीएशन के पेट्रोल में भी बढ़ोतरी कर दीं गयी जिससे हवाई यात्रा भी महगी हो गई।खाद्य तेल, मावा,राशन सामग्री सभी के दाम बेतहाशा बढ़ गये है,दूध के दाम भी बढ़ गये।जिससे आम आदमी के किचन का बजट मोदी सरकार ने बढ़ा दिया है। खाद्य तेल को 70 रुपए प्रति लीटर तक पहुंचने में 70 साल लग गए थे,लेकिन मोदी राज के चंद दिनों में ही 200 पार हो गया।घरेलू गैस सिलेंडर जो भाजपाइयों को 400 रुपए में महंगा लगाता था, उसे 900-1000 तक पहुंचा दिए, कर्मिशयल गैस सिलेण्डर के दाम आज से 1580 से बढ़कर 1691 हो गया है,साथ ही आज आम जनता को गैस लेने के लिए हफ्तों इंतजार करना पड़ रहा है।भाजपा सरकारों को जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है भारतीय जनता पार्टी की सरकार में आम आदमी का जीवन स्तर दिनों दिन खराब हुआ है,सारी राहत और रियायत केवल भाजपाइयों के पूंजीपति सित्रों के लिए है, देश के संसाधन, सार्वजनिक उपक्रम उन्हीं पर लुटाए जा रहे हैं,आम जनता इस महंगाई में परिवार पालने के लिए संघर्ष कर रहा है। मनमोहन सिंह के नेतृत्व में पूर्ववर्ती यूपीए की सरकार ने मनरेगा के नाम से रोजगार की कानूनी गारंटी का प्रावधान किया था जिसे मोदी सरकार ने महज़ योजना में परिवर्तित कर गरीबों का रोजगार का हक छीन लिया है,आम जनता की कमाई लगातार घट रही है, देश के संसाधनों पर मोदी के पूंजीपति मित्रों का एकाधिकार स्थापित किया जा रहा है,देश में आर्थिक असमानता सरकार की गलत नीतियों की वनंह से ही बढ़ रहा है,बेलगाम महंगाई से आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है।

महंगाई आम जनता के लिए भाजपा निर्मित आपदा बन चुकी है,रेलवे की टिकट से लेकर स्कूल,कॉलेजों की फीस तक सब कुछ कई गुना बढ़ चुका है। सरकार के संरक्षण में तरह-तरह के सेवा शुल्क लगाकर बैंक,आम खातेधारकों को खुलेआम लूट रही है। पेट्रोल,डीजल से लेकर दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है।इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा,पूर्व ब्लाक अध्यक्ष आबिद ढेबर सन्नी मेमन,अमित मिरि,राकेश साहू रमेश रामा शर्मा पन्नालाल,जुनैद खान छगन यादव रमीज रहमान,अवध यादव उपस्थित थे।

8 नग हीरा के साथ उमरकोट उड़ीसा के तस्कर को किया गया गिरफ्तार

एक सप्ताह के भीतर हीरा की दूसरी कार्यवाही

गरियाबंद (समय दर्शन)। 1 अप्रैल को गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों को अवैध हीरा परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ था। सूचना के आधार पर स्पेशल टीम एवं थाना प्रभारी शोभा को अवैध हीरा तस्कर का पतासाजी कर रेड कार्यवाही के निर्देश दिये।

जिसके परिपालन में थाने एवं स्पेशल टीम को घटना स्थल रवाना किया गया। मुखबीर द्वारा बताये गये घटना स्थल ग्राम कुसियार बरछा कचना ध्रुवा मंदिर के पास एक व्यक्ति जो एक लाल काला रंग का मोटर सायकल एचएफ डिलक्स वाहन क्रमांक ओडी 24 एन 6802 में अपने पास अवैध रूप से बहुमुल्य हीरा जैसा चमकीला खनिज पदार्थ रखा कर ग्राहक के तलाश कर रहा था।पुलिस स्टाफ, गवाह तथा स्पेशल टीम के साथ मौका पहुच कर घेरा बंदी कर रेड कार्यवाही कर मौके पर आरोपी का नाम पता पूछने पर अपना नाम डमरू लाल लहरे पिता गोविंद राम लहरे उम्र 52 साल निवासी अधिकारिगुड़ा उमरकोट थाना उमरकोट जिला नवरंगपुर उड़ीसा का रहने वाला बताया। जिसके कब्जे से समक्ष गवाहन के कब्जे से 8 नग छोटे बडे चमकीले बहुमुल्य खनिज पदार्थ को समक्ष गवाहन के विधिवत जप्त कर कब्जा पुलिस लिया। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 303(2)बीएनएस 21(4) खान एवं खनिज (विकास का विनियमन) अधिनियम 1957 अपराध धारा सदर का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण के आरोपी डमरू लाल लहरे पिता गोविंद राम लहरे उम्र 52 साल निवासी अधिकारिगुड़ा उमरकोट थाना उमरकोट जिला नवरंगपुर उड़ीसा के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से समक्ष गवाहन के विधिवत गिरफ्तार कर प्रकरण में अग्रिम विवेचना जारी है। गरियाबंद पुलिस कप्तान के द्वारा बताया गया कि जिले में किसी भी प्रकार के अवैध मामलों में संलिप्त लोगों पर निगाह रखी जा रही है। अवैध कृत्य पाये जाने पर विधिसंगत कार्यवाही की जाएगी।यह कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।इस कार्यवाही में स्पेशल टीम एवं थाना शोभा स्टाफ की विशेष भूमिका रही।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर मैनपुर ब्लॉक के साहेबिनकछार में आयोजित

विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को किया गया लाभान्वित

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के मैनपुर विकासखंड के दूरस्थ वनांचल एवं आदिवासी बाहूल्य क्षेत्र में बसे ग्राम साहेबिनकछार जहाँ कभी शासकीय अमले बहुत ही कम जा पाते थे। उसका प्रमुख कारण यह था कि यह गॉव अति संवेदनशील क्षेत्र हुआ करता था। केंद्र शासन के पहल पर पूरे देश में 31 मार्च 2026 को नक्सल मुक्त होने के उपरांत आज जिले के कलेक्टर बीएस उइके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, सीतानदी-उदंती टाईगर रिजर्व के उप निदेशक वरूण जैन,जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर,स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित जिले के सभी अधिकारी कर्मचारी,जिलास्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में आसपास के ग्रामीणों की मांग एवं समस्याओं के निराकरण के लिए पहुँचे।इस दौरान ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को अपने बीच पाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रिय गृहमंत्री अमित शाह ने पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सल मुक्त करने की घोषणा की थी।कई वर्षों से साहेबिनकछार जैसे प्रभावित क्षेत्र के नागरिकों के मूलभूत विकास के लिए कई वर्षों के उपरांत आज एक साथ जिले के प्रशासनिक अमला गांव पहुंचा। इस दौरान सभी विभाग द्वारा स्टॉल लगाएं गए थे। जिसका अवलोकन जनप्रतिनिधियों ने किया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य जॉच कर उन्हें लाभान्वित किया गया।इसी तरह महिला एवं बाल विकास, शिक्षा,कृषि,मत्स्य,उद्यानिकी,पंचायत,खाद्य, राजस्व क्रेडा,परिवहन,विद्युत,पुलिस सहित अन्य विभागों ने स्टॉल लगाये थे।

जनसमस्या निवारण शिविर को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप ने कहा कि केंद्र शासन के दृढ़ संकल्प के कारण पूरे देश में नक्सल मुक्त हो चुका है,इसी कड़ी में गरियाबंद जिला भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब हर आदमी नि:संकोच होकर जिले के दूरस्थ अंचल तक पहुँच सकता है। अब हर गॉव का विकास होगा। इसके लिए शासन-प्रशासन,जनप्रतिनिधि सहित आम नागरिकों का सहयोग जरूरी है।

जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम ने कहा कि बम्हनीझोला से कोदोमाली तक लगभग 21 किलोमीटर की दूरी को पूर्व में पक्की सड़क निर्माण हेतु स्वीकृति मिल चुकी है,जिसे शीघ्र पूरा करना चाहिए।साथ ही क्षेत्र के प्रत्येक ग्राम में विद्युतिकरण और साहेबिनकछार में स्थापित मोबाइल टॉवर को शीघ्र शुरू करें ताकि लोग संचार सुविधाओं से जुड़ सकें।शासन की जो भी योजनाएं हैं,उनका वास्तविक लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। आमजनों द्वारा जो आवेदन प्रस्तुत किए जा रहे हैं, उनका समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण होना अत्यंत आवश्यक है।इस दौरान जिला पंचायत सदस्य श्रीमती लोकेश्वरी नेताम ने भी संबोधित किया।

कलेक्टर बीएस उइके ने कहा कि यह अत्यंत ही हर्ष की बात है कि यह क्षेत्र कुछ समय पूर्व अति संवेदनशील क्षेत्र में आता था परन्तु अब यह सामान्य क्षेत्र हो गया है।उन्होंने ग्रामीणों को शिविर में नि:संकोच होकर अपनी मांग एवं समस्याओं के बारे में अधिकारियों को बताने का आग्रह किया।

आवास निर्माण समय पर पूर्ण कराने पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद जिले के उपसंचालक श्रीमती पदमनी हरदेल ने गरियाबंद ब्लाक के ग्राम पंचायत सचिवों का समीक्षा बैठक ली, सचिवों को चेतावनी देते हुये सभी अप्रारंभ आवास को एक सप्ताह मे प्रारंभ करने एवं प्रत्येक सप्ताह प्रति पंचायत मे कम से कम तीन 3 आवास ढलाई कराने का लक्ष्य दिये।

आवास निर्माण प्रारंभ नही करने वाले हितग्राहियों को जाना पड़ेगा पेशी,,,समीक्षा बैठक मे ऐसे आवास हितग्राही जिन्हें लंबे समय से राशि जारी होने पर भी आवास मे प्रगति नही लाने लावें एवं अप्रारंभ आवास हितग्राहियों को नोटिस देकर जनपद एवं एस.डी.एम. आफिस मे पेशी बुलाकर शाशन द्वारा प्रदाय की गयी राशि का दुरुपयोग करने की स्थिति मे वसूल किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। गरियबांद ब्लाक मे वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 25-26 कुल 6172 आवास स्वीकृत किये गये है। जिसमे से अभी मात्र 3112 आवास का ढलाई पूर्ण किया गया है, स्वीकृत आवास की तुलना मे पूर्णता का प्रतिशत 58.52त्न ही हो पायी है। सभी आवासों को तय समय सीमा मे पूर्ण किये जाने का निर्देशित किये गये। एवं प्रति सप्ताह कम से कम 3 आवास ढलाई करने निर्देशित किये गये है।

बरोली में नल जल योजना अधूरी, भीषण गर्मी में बढ़ी जल संकट की मार, ग्रामीणों में आक्रोश

सरपंच सरोजिनी कौशिक के नेतृत्व में कलेक्टर महासमुंद को सौंपा ज्ञापन

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाई जा रही नल जल प्रदाय योजना बरोली गांव में अधूरी पड़ी है। इस योजना के तहत हर घर में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन दो साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अभी तक कार्य पूरा नहीं हो सका है। गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत गहराने लगी है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।1.30 करोड़ रुपये के लागत से बन रहा नल जल आज पर्यंत तक शुरू नहीं हुआ है।

गांव के लोगों का कहना है कि

गर्मी के इस मौसम में जल संकट चरम पर पहुंच चुका है। ग्रामीणों को पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। इस समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये की योजना हेतु स्वीकृत दी थी, लेकिन अब तक कार्य पूरा नहीं हो पाया है। पंचायत एवं ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी को भुगतान हो चुका है, फिर भी कार्य अधर में लटका हुआ है। पानी की किल्लत से परेशान ग्राम पंचायत बरोली के सरपंच श्रीमती सरोजिनी कौशिक के नेतृत्व में ग्राम पंचायत के पंचों ने कलेक्टर महासमुंद को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि पानी की विकराल समस्या का समाधान जल्द हो। ज्ञापन सौंपते के समय देवानंद साव उप सरपंच, प्रताप रूद्र साहू,कमलेश साव,चमरू दास मानिकपुरी,हीरालाल पटेल,धोबा चौहान, निर्मल सिदार,सबिलाल पटेल उपस्थित रहे। सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीणों को नल से जल उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन बरोली गांव में यह योजना सिर्फ कागजों में ही चल रही है। गर्मी के मौसम में जल संकट और गंभीर हो सकता है, जिससे जनजीवन प्रभावित होगा।

खबर-खास

श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन, लगभग 100 बीमित श्रमिकों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

दुर्ग(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के निर्देशानुसार विगत दिवस अक्षय पात्र फाउंडेशन, सेक्टर-6, मिलाई, जिला दुर्ग में कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं (श्रम विभाग) रिसाली मरौदा केन्द्र द्वारा श्रमवीर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। बीमा चिकित्सा पदाधिकारी कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं रिसाली-मरौदा से प्राप्त जानकारी अनुसार इस शिविर में लगभग 100 बीमित श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें रक्तचाप, मधुमेह एवं रक्त जांच शामिल रही। जांच के पश्चात आवश्यक औषधियों का वितरण भी किया गया। साथ ही श्रमिकों को बीमारियों से बचाव हेतु जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर के दौरान कर्मचारी राज्य बीमा योजना के अंतर्गत मिलने वाले चिकित्सा हितलाभ, नकद हितलाभ, विकलांगता हितलाभ, मातृत्व हितलाभ तथा द्वितीयक एवं तृतीयक चिकित्सा उपचार संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन रिसाली मरौदा केन्द्र की प्रभारी बीमा चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सूर्या वर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर श्रीमती किरण, श्रीमती योगिता पटेल, श्रीमती अनुराधा बघेल, मो. तैयुब अंसारी, श्री धनंजय वर्मा एवं श्री हुमन सहित टीम के अन्य सदस्यों ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

पति सुसाइड मामले में पत्नी गिरफ्तार, पुलिस के हाथ लगी डिजिटल सबूत

दुर्ग (समय दर्शन)। पति को आत्महत्या करने के लिए प्रताड़ित करने वाली पत्नी सहित तीन आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस ने आरोपी पत्नी, उसका भाई एवं मामा को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है. पुलिस ने घटना से संबंधित डिजिटल साक्ष्य मोबाइल को भी जब्त किया है. पुलिस ने बताया कि मृतक विशाल गुप्ता (30 वर्ष) निवासी गया नगर वार्ड क्रमांक 4 दुर्ग द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले की जांच की गई थी. मर्ग जांच के दौरान परिजनों के कथन, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल निरीक्षण एवं मेडिकल रिपोर्ट का परीक्षण बारीकी से किया गया. जांच में सामने आया था कि मृतक द्वारा 11 मार्च 2026 को आत्महत्या करने से पूर्व अपने मोबाइल फोन में एक वीडियो रिकॉर्ड किया गया था जिसमें उसने अपनी पत्नी एवं उसके परिजनों द्वारा लगातार मानसिक प्रताड़ना देने का उल्लेख किया था. प्रताड़ना के कारण मानसिक रूप से आहत होकर मृतक द्वारा 11 मार्च की रात 10.30 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या करना पाया गया था. जांच के बाद पुलिस ने धारा 108, 3 (5) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया था. मामले की गंभीरता को देखते हुए टीम गठित कर आरोपियों की तलाश में टीम उत्तर प्रदेश रवाना की गई थी. तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आरोपियों का पता लगाकर 29 मार्च को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने आरोपी तनु उर्फ मोहनी गुप्ता (25 वर्ष) निवासी गया नगर दुर्ग हाल पता जिला हमीरपुर उत्तर प्रदेश, शिव गुप्ता निवासी मौहदा जिला हमीरपुर उत्तर प्रदेश तथा कृष्ण कुमार गुप्ता (50 वर्ष). निवासी सुमेरपुर पेलानी रोड जिला हमीरपुर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है.

हनुमान जयंती पर लोक कला भवन संधारण कार्य का भूमि पूजन

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा आज दिनांक 02 अप्रैल को हनुमान जयंती के पावन अवसर पर वार्ड क्रमांक 40, सुराना कॉलेज वार्ड स्थित लोक कला भवन, सिविल लाइन के संधारण कार्य हेतु भूमि पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा महापौर निधि से भवन के संधारण कार्य के लिए ?3 लाख की राशि प्रदान की गई। पार्षद श्रीमती सरिता विनोद चंद्राकर द्वारा पूर्व में महापौर को भवन की वर्तमान स्थिति एवं उसकी उपयोगिता के संबंध में अवगत कराया गया था, जिसके आधार पर यह कार्य स्वीकृत किया गया। कार्यक्रम में भूमिपूजन देवनारायण चंद्राकर लोक कर्म प्रभारी द्वारा चंद्रशेखर चंद्राकर राजस्व व बाजार प्रभारी, श्रीमती सरिता विनोद चंद्रकार वार्ड पार्षद उपस्थित में किया गया।कार्यक्रम के अवसर श्रीमती लोकेश्वरी ठाकुर पार्षद, वार्ड 48, विनोद चंद्राकर (उपाध्यक्ष, किसान मोर्चा जिला दुर्ग), श्रीमती बसंती गायकवाड (उपाध्यक्ष, सदर मंडल दुर्ग), श्रीमती पदमा देवांगन (मंत्री, सदर मंडल दुर्ग), श्रीमती श्वेता कनौजिया (मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा), श्रीमती रानी उपाध्याय, श्रीमती राखी ठाकुर, श्रीमती श्वेता साहू, श्री राजेश वर्मा, श्रीमती लक्ष्मी बोरकर, श्रीमती राजलक्ष्मी सिन्हा, संदीप भोजने, गौरव सेन सुपरवाइजर, वार्ड 40 उमंग ताम्रकार सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आभार प्रदर्शन वार्ड के वरिष्ठ नागरिक राजेंद्र दुबे द्वारा किया गया।

गायत्री विद्यापीठ में नए प्राचार्य अंकित व्यास ने संभाला पदभार

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शिक्षा व संस्कार के क्षेत्र में अग्रणी जिले की प्रतिष्ठित संस्था गायत्री विद्यापीठ में आज नए प्राचार्य अंकित व्यास ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में गरिमामय एवं सादगीपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय प्रबंधन, समस्त शिक्षकवृंद, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. बृजकिशोर सुरजन द्वारा अंकित व्यास का तिलक वंदन कर प्राचार्य पद की घोषणा की गई। विद्यालय प्रबंधन द्वारा श्री व्यास को पुष्प-गुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी हेतु शुभकामनाएँ दी गईं।

अपने प्रथम संबोधन में प्राचार्य अंकित व्यास ने कहा कि वे विद्यालय की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए शैक्षणिक उत्कृष्टताए अनुशासन एवं संस्कारों को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। विद्यालय परिवार ने नए प्राचार्य के नेतृत्व में संस्थान को नई ऊँचाईयों तक पहुँचाने का विश्वास जताया।

इस अवसर पर गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकान्त चितलांग्या, उपाध्यक्ष राजेश जैन, सचिव गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, सह स्पोर्ट्स डायरेक्टर मनोज चितलांग्या, एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य अंकित व्यास, श्रीमती पिंकी खण्डेलवाल, सुश्री सीमा श्रीवास्तव, उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, श्रीमती वंदना डुंभरे, श्रीमती तामेश्वरी साहू, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंह टूटेजा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

उज्जवला अर्थात ब्लैक का खेल

बिलासपुर (समय दर्शन)। घरेलू गैस सिलेंडर दो स्तर पर मिलते हैं इसी तरह बैंक का खाता भी दो तरह का होता है। एक सामान्य गैस कनेक्शन और उज्जवला गैस का कनेक्शन इस प्रकार सामान्य बचत खाता दूसरा रुपए खाता। पूरे राज्य की बात हम नहीं करते बिलासपुर में सामान्य गैस सिलेंडरों की संख्या 190000 के लगभग है और दूसरी और उज्जवला कनेक्शन की संख्या आश्चर्यजनक रूप से 240000 है। योजना रहती है कि उज्ज्वल का कनेक्शन बीपीएल या निर्धारित आर्थिक श्रेणी से संबंधित ही होगा और इन्हें ही सब्सिडी युक्त निशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान किया जाता है।

2023 में उज्जवला कनेक्शन पर ?300 की सब्सिडी थी जबकि सामान्य कार्ड धारक को?50 से कम की सब्सिडी मिलती है। खाड़ी समस्या के पहले उज्जवला की गैस टंकियां 50त्न खाली पड़ी थी मतलब

उन पर गैस रिफिलिंग नहीं किया जा रहा था। बाजार के सूत्र बताते हैं कि ब्लैक का धंधा अधिकतर उज्जवला कनेक्शन से ही चलता है।

पूरे शहर के भीतर मुख्य मार्ग और गलियों में पकोड़ा उद्योग संचालित है हर ठेले के नीचे बहु अर्थात लाल सिलेंडर उज्जवला वाला को घुंघट पहनाकर रखा जाता है। सिम्स रोड, रिवरव्यू रोड, बृहस्पति बाजार रोड या जहां आपका मन चाहे निगाह डालकर देख ले और तो और किसी भी धार्मिक कार्यक्रम का लंगर वगैर उज्जवला के नहीं होता। उज्जवला के कार्ड क्राइसिस के बाद तेजी से सक्रिय हुए और इस समय जिले में पूरी रफ्तार 240000 से दौड़ रहे हैं।

इन पर अंकुश लगाने का अर्थ है सत्ताधारी दल का वोट बैंक का कबाड़ा हो जाना यह कबाड़ा दो तरह से होगा। उज्जवला ना रहे तो गैस एजेंसियों में कर्मचारियों की संख्या कम हो जाएगी और कई जुगाड़ू नेता टाइप लोग का धंधा बैठ जाएगा बहुत से सोनामधन्य रेस्टोरेंट संचालक धंधा छोड़ देंगे। कमर्शियल गैस का रेट बढ़ा और व्यंजनों की मूल्य वृद्धि हो गई असल में इन्होंने आपदा में अवसर देखा। विभागीय सेटिंग इतनी जबरदस्त है कि किसी नामचीन मिठाई व्यवस्थाएं, रेस्टोरेंट व्यवसाय के किचन में कोई नहीं झाकता हां जिस अधिकारी को अपना तबादला करना होता है उसके पास यह सबसे आसान आईडिया है। नामी गिरामी किचन पर छाप मारो और ट्रांसफर पा जाओ.....।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस की प्रेसवार्ता, गैस-पेट्रोल कीमतों में बढ़ोतरी पर केंद्र सरकार को घेरा

टारजन महेश

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सारंगढ़ में जिला कांग्रेस कमेटी ने अपने कार्यालय में प्रेसवार्ता आयोजित कर बढ़ती महंगाई, गैस एवं पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रेसवार्ता में जिलाध्यक्ष ताराचंद देवांगन ने कहा कि केंद्र की नीतियों और आर्थिक कुप्रबंधन के चलते महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम आदमी का जीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में करीब 195 रुपये की वृद्धि की गई है, जबकि पिछले तीन महीनों में ही 500 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में भी हाल के दिनों में इजाफा हुआ है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी का दावा करने वाली सरकार के दौर में ही अब फिर से कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। साथ ही एवीएशन ईंधन महंगा होने से हवाई यात्रा भी प्रभावित हो रही है।

प्रेसवार्ता में यह भी कहा गया कि खाद्य तेल, दूध, राशन सामग्री सहित दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम लोगों के किचन का बजट बिगड़ गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां आम जनता के बजाय बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने वाली हैं, जबकि आम लोग महंगाई से जूझ रहे हैं। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आर्थिक असमानता बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि आम जनता की आय घट रही है और खर्च लगातार बढ़ रहा है, जिससे लोगों का जीवन स्तर प्रभावित हो रहा है।कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि महंगाई पर नियंत्रण नहीं किया गया, तो आने वाले समय में पार्टी व्यापक आंदोलन करेगी।

स्लम क्षेत्रों में बीजेपी के विस्तार के लिए अभियान तेज करेंगी भाजपा,झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ की पहली प्रांतीय बैठक में हुआ निर्णय

6 अप्रैल पार्टी के स्थापना दिवस पर घर घर कमल ध्वज लगाने पर जोरदिनेश देवांगन

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रांतीय पदाधिकारियों की प्रथम बैठक रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव की उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश संयोजक संजू नारायण सिंह ने की। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महामंत्री नवीन मारकंडे तथा कार्यसमिति सदस्य राजेंद्र शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में प्रदेशभर से झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक में दुर्ग से शामिल हुए प्रदेश सह संयोजक एवं संभाग प्रभारी दिनेश देवांगन ने जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी का जनाधार और अधिक मजबूत करने बीजेपी अध्यक्ष किरण सिंह देव जी ने स्लम क्षेत्रों में संगठन को लम्बे समय तक स्थापित करने झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोगों तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने और केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार व राज्य में विष्णुदेव साय जी की भाजपा सरकार द्वारा जारी योजनाओं का लाभ लेने वाले लाभार्थियों का सूची बनाकर उनसे संपर्क करने के निर्देश दिए है इसके लिए 6 अप्रैल को भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री खाद्यान्न योजना के तहत निशुल्क राशन,प्रधानमंत्री आवास,उज्ज्वला योजना,शौचालय योजना,महतारी वंदन,आयुष्मान जैसे विभिन्न योजनाओं लाभ पाने वाले के घर जाकर भाजपा का झंडा लगवाने के निर्देश दिए है।

झुग्गी-बस्तियों में बढ़ेगी संगठन की सक्रियता

प्रदेश भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के सह संयोजक व दुर्ग संभाग प्रभारी दिनेश देवांगन ने आगे बताया कि पार्टी संगठन द्वारा स्लम क्षेत्रों में भाजपा की जमीनी पकड़ को और मजबूत करने के लिए व्यापक रणनीति बनाई गई है। इसके लिए प्रदेश संयोजक संजू नारायण सिंह ने जिला स्तर पर प्रकोष्ठ का विस्तार करने के निर्देश दिए है इसके तहत झुग्गी-बस्तियों में विशेष अभियान चलाकर लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद कर संगठन से जोड़ने साथ ही 14 अप्रैल संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर जयंती पर समरसता दिवस के रूप में मनाते हुए समाज के दलित व गरीब वर्ग श्रमवीरो के साथ समरसता भोज आयोजित कर सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश देने की अपील की गई है ताकि समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्गों तक संगठन की पहुंच और बढ़े यही भाजपा की प्राथमिकता होगी।

प्रांतीय सभा सह लघुअधिवेशन उर्जायनम सम्पन्न

जांजगीर चाम्पा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रान्तीय मारवाड़ी युवा मंच की 21वीं प्रांतीय सभा सह लघुअधिवेशन उर्जायनम का भव्य एवं सफल आयोजन अकलतरा शाखा एवं अकलतरा जागृति शाखा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष प्रशांत गाँधी की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में उन्होंने अपने एक वर्ष के कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए आगामी वर्ष की रूपरेखा से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा — हमने केवल आंकड़े ही नहीं बनाए, बल्कि लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है। मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष कपिल जी लखोटिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि — मंच देने की जगह है, लेने की नहीं, साथ ही उन्होंने प्रभावी नेतृत्व के गुणों पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर सुलतानिया ने संगठन के वर्तमान स्वरूप एवं राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष रीना केडिया ने सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का आत्मीय स्वागत करते हुए मंच की महत्ता और सामाजिक भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय सिंघानियां, दीपक सिंघानिया, रतन अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, मधु शर्मा, प्रशांत शर्मा, दिनदयाल अग्रवाल, ताराचंद अग्रवाल तथा पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्याम सुंदर पोद्दार, जयकिशन अग्रवाल, सुनील अग्रवाल (बॉबी), निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, राष्ट्रीय सहायक मंत्री रोहित काबरा, राष्ट्रीय संयोजक राज अग्रवाल उपस्थित रहे और सभी ने मंच के सेवा कार्यों की सराहना की।

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
कार्यालय - बालोद वनमंडल बालोद
काष्ठगार डिपो बालोद का ई- ऑक्सन का संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि बालोद वनमण्डल के शासकीय काष्ठागार एवं विभिन्न डिपो में (ग्रहित ईमारती, जलाऊ काष्ठ एवं बांस का ई-ऑक्शन व्दारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बालीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्सन में भाग लेवे। ई-ऑक्सन की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय / वन काष्ठगार डिपो. बालोद से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम तिथि - 16/04/2026
समय - प्रात: 09: 00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

क्र.	प्रजाति	नयी काष्ठ			गत् अविक्रित काष्ठ			कुल योग		
		घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	सागौन	96.920	626	1224	378.617	1436	2141	475.537	2062	3365
2	बीजा	75.564	88	2	86.514	5	3	162.078	93	5
3	साजा	11.504	175	4	36.135	3	0	47.639	178	4
4	कसही	0.812	0	0	15.220	0	0	16.032	0	0
5	हल्दू	4.131	0	0	3.989	1	0	8.120	1	0
6	मुण्डी	1.264	9	0	7.466	0	0	8.730	9	0
7	धाठा	1.672	0	0	0.549	0	0	2.221	0	0
8	धावड़ा	10.629	108	6	0.000	1	0	10.629	109	6
9	आम	0.000	0	0	5.808	0	0	5.808	0	0
10	ईमली	0.000	0	0	0.328	0	0	0.328	0	0
11	करही	0.000	0	0	0.697	0	0	0.697	0	0
12	कर्रा	20.779	1286	6	10.171	0	0	30.950	1286	6
13	महुआ	0.000	0	0	0.122	0	0	0.122	0	0
14	नीम	0.000	0	0	0.762	0	0	0.762	0	0
15	सेम्हर	0.000	0	0	4.282	2	0	4.282	2	0
16	सिरस	3.909	0	0	0.064	0	0	3.973	0	0
17	तेन्दु	0.000	0	0	5.301	0	0	5.301	0	0
18	बबुल	7.888	0	4	0.000	0	0	7.888	0	4
19	भिरहा	19.674	0	0	0.000	0	0	19.674	0	0
20	कहुआ	5.654	0	0	0.000	0	0	5.654	0	0
21	किरगी	13.464	0	0	0.000	0	0	13.464	0	0
22	अन्य	27.142	497	54	6.729	126	0	33.871	623	54
	योग:-	301.006	2789	1300	562.754	1574	2144	863.760	4363	3444
23	जलाऊ चट्टा	471 चट्टा			14 चट्टा			485 चट्टा		
24	व्यापारिक बांस	-			29646 नग = 64.572 नो. टन.			29646 नग = 64.572 नो. टन.		
25	औद्योगिक बांस	9802 बंडल = 111.232 नो. टन.			6135 बंडल = 64.030 नो. टन.			15937 बंडल=175.262 नो. टन.		

टीप :- 1. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व एम.एस.टी.सी.ई-कार्मस पोर्टल मे रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
2. क्रेताओं को ई-आक्सन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है ।
3. लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी.ई-कार्मस पोर्टल में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है।
4. ई-आक्सन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकंड का समय प्राप्त होगा।
5. क्रेताओं के आधार कार्ड एवं पेनकार्ड लिंक होना चाहिये ।

वनमंडलाधिकारी
बालोद वन मंडल बालोद (छ.ग.)

G-262700006 / 3

मिशन कर्मयोगी के तहत राष्ट्रीय अधिगम सप्ताह - साधना सप्ताह 2026 के सफल आयोजन को लेकर प्रशिक्षण सह-कार्यशाला आयोजित

2 से 8 अप्रैल 2026 तक होगा साधना सप्ताह का आयोजन

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाने विशेष पहल

साधना सप्ताह को सफल बनाने सभी अधिकारी-कर्मचारी गंभीरता से करें पाठ्यक्रम पूर्ण - कलेक्टर

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में आज जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में मिशन कर्मयोगी के तहत राष्ट्रीय अधिगम सप्ताह – साधना सप्ताह 2026 के सफल आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि कर्मयोगी भारत अभियान के अंतर्गत जिले में 2 अप्रैल से 08 अप्रैल 2026 तक साधना सप्ताह मनाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक प्रशासनिक दक्षताओं, डिजिटल गवर्नेंस, व्यवहारिक प्रशासनिक कौशल एवं भूमिका आधारित प्रशिक्षण से सशक्त बनाना है, जिससे शासन की कार्यप्रणाली अधिक परिणामोन्मुखी एवं नागरिक हितैषी बन सके।

उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साधना सप्ताह में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने एवं सभी अधिकारियों को अपने संबंधित विभाग में अधिक से अधिक अध्ययन करने तथा आईगोट कर्मयोगी मंच पर निर्धारित पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर अधिक से अधिक प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री महोबे ने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई दक्ष के तहत एआई फॉर ऑल, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मूल बातें सीखना अनुप्रयोग और नैतिकता, प्रशासन के लिए उत्तरदाई एआई का उपयोग, सुशासन में एआई नैतिकता से संबंधित कम से कम एक पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों कर्मचारियों को कहा कि अपने मेल आईडी से ऑनबोर्ड करते हुए पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर क्षमता विकसित करें। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, एग्रीकल्चर, हॉर्टिकल्चर एवं राजस्व के अधीनस्थ कर्मचारियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा प्रशिक्षण, सेमिनार एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाए। उन्होंने आयोजित कार्यक्रमों के वीडियो क्लिप आईगोट पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि आईगोट प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिगम की प्रगति की नियमित निगरानी की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों से कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु समन्वय के साथ कार्य करने को कहा। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि साधना सप्ताह के दौरान प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी के लिए न्यूनतम चार घंटे का अध्ययन अनिवार्य रहेगा।

कलेक्टर ने कहा कि ऑनलाइन मानव संसाधन प्रबंधन सिस्टम (अवकाश ऑनलाइन) के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के डाटा, वेतन, उपस्थिति, भर्ती एवं प्रदर्शन प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को स्वचालित एवं सुव्यवस्थित किया जा सकेगा। इससे कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मानव संसाधन प्रबंधन सिस्टम पर अनिवार्य रूप से ऑनबोर्ड करने के निर्देश दिए, ताकि वे सीधे आईगोट (द्बत्नह्र) प्लेटफॉर्म से जुड़कर प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास का लाभ प्राप्त कर सकें।

हनुमान जयंती पर परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी ने किया 37वीं बार रक्तदान

पाटन (समय दर्शन)। श्री हनुमान जयंती के पावन अवसर पर अध्यक्ष परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा एवं अध्यक्ष अनुविभागीय पत्रकार संघ पाटन किशन हिरवानी ने मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 37वीं बार रक्तदान किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जो किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम बनता है। उन्होंने सभी युवाओं एवं नागरिकों से अपील की कि वे भी आगे आकर रक्तदान करें और समाज सेवा में अपनी भागीदारी निभाएं। किशन हिरवानी लंबे समय से सामाजिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए जनहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते आ रहे हैं। उनके इस प्रेरणादायक कदम से क्षेत्र में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और युवा वर्ग भी इससे प्रेरित हो रहा है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए अनुकरणीय बताया।

संक्षिप्त-खबर

जोत जंवारा सम्पन्नता पर विद्यालय में कराया न्योता भोज का आयोजन

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। ग्राम बरगा में जोत जंवारा सम्पन्न होने के पावन अवसर पर सामाजिक समरसता और सेवा भाव का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हुए रामेश्वर साहू एवं शिवकुमार साहू द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला परिसर में स्नेहिल न्योता भोज का आयोजन किया गया। यह आयोजन न केवल परंपरा और आस्था का प्रतीक बना, बल्कि बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने का भी माध्यम बना। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों को प्रेमपूर्वक खीर, पूरी, चावल, दाल, सब्जी एवं पापड़ परोसा गया। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल निर्मित हो गया, जहां बच्चों के साथ-साथ उपस्थित सभी जनों ने भी आत्मीयता और अपनत्व का अनुभव किया। आयोजन को सफल बनाने में आयोजक परिवार के सदस्य पूनाराम साहू, प्रेमा साहू, विष्णु साहू, गिरिजा साहू, श्रवण साहू एवं भारती साहू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सभी ने मिलकर सेवा भाव से व्यवस्थाओं को संभाला और पूरे कार्यक्रम को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। इस अवसर पर संकुल समन्वयक पीलूराम साहू, प्रधानपाठक कन्हैया लाल लहरे, शिक्षक रामनारायण पटेल, युक्ति साहू सहित संकुल के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। साथ ही शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष नारायण साहू, उपाध्यक्ष पूनाराम साहू, उपसरपंच प्रतिनिधि कमलेश साहू, शिक्षाविद खेमलाल पाल, पूर्व सरपंच नोहर पाल एवं भागवत साहू की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा को और बढ़ा दिया।

सतनाम आंदोलन के तहत सतनामी स्वाभिमान जगाओ साइकिल यात्रा का सफल आयोजन

सक्ती(समय दर्शन)। सतनाम आंदोलन के अंतर्गत स्वाभिमान जगाओ साइकिल यात्रा का प्रथम चरण 01 दिसंबर 2025 को जिला सक्ती के जैजैपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भनेतरा से प्रारंभ किया गया इस यात्रा का उद्देश्य समाज में जागरूकता, समानता एवं स्वाभिमान को बढ़ावा देना रहा है प्रथम चरण में 34 दिनों तक चलकर जिला सक्ती के विभिन्न ब्लॉकों के लगभग 328 गांवों में जनसंपर्क किया गया तथा करीब 900 किलोमीटर की दूरी तय की गई। इसके पश्चात द्वितीय चरण में जिला जांजगीर-चांपा में 21 दिनों तक यात्रा कर लगभग 270 गांवों तक यात्रा कर करीब 430 किलोमीटर की दूरी तय की गई।

यात्रा के दौरान प्रत्येक गांव में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया तथा लोगों को गुरु घासीदास जी के विचारों से प्रेरित करते हुए सामाजिक कुरीतियों, अंधविश्वास एवं जातिगत भेदभाव के विरुद्ध जागरूक किया गया। साथ ही शिक्षा के महत्व एवं समाज के हक-अधिकारों के प्रति लोगों को सजग किया गया दोनों चरणों में कुल लगभग 600 गांवों तक पहुँचकर करीब 1400 किलोमीटर की यात्रा पूरी की गई। वर्तमान में यात्रा को अस्थायी रूप से विराम दिया गया है तथा शीघ्र ही तृतीय चरण में पूरे प्रदेश में इसका विस्तार किया जाएगा।यह यात्रा मानव-मानव एक समान के संदेश के साथ समाज में चेतना एवं स्वाभिमान को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है इस आंदोलन के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता पीतांबर बंजारे ने बताया कि समाज में फैले कुरीतियों को दूर करने तथा शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना साथ ही संत शिरोमणि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी के मानव मानव एक समान के संदेशो को हर वर्ग के लोगों तक पहुंचाने के लिए संकल्पित है।

आरटीई के तहत डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जांता में नर्सरी प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा (समय दर्शन)। विकासखंड बेमेतरा अंतर्गत ग्राम जांता स्थित डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल में सत्र 2026-27 के लिए शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत एंट्री क्लास (नर्सरी) में प्रवेश हेतु पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभिभावक 30 मार्च 2026 से 13 अप्रैल 2026 तक आरटीई पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन को मान्य नहीं किया जाएगा।

प्रवेश के लिए आवश्यक अर्हताओं के अनुसार आवेदक का विकासखंड बेमेतरा का मूल निवासी होना अनिवार्य है तथा विद्यार्थी का आधार पंजीयन होना जरूरी है। नर्सरी कक्षा में प्रवेश के लिए 1 अप्रैल 2026 की स्थिति में बच्चे की आयु न्यूनतम 3 वर्ष पूर्ण और अधिकतम 4 वर्ष से कम निर्धारित की गई है। प्रवेश प्रक्रिया शासन द्वारा तय नियमों के अनुसार ही संपन्न की जाएगी।

बूथ गठन बैठक व बिसाहू दास महंत जयंती मनाई गई

राजनांदगांव (समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत राजनांदगांव जिला, डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र, एलबी नगर ब्लॉक अंतर्गत बाघनदी मंडल में बूथ, पंचायत एवं वार्ड कमेटियों के गठन हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मंडल अंतर्गत दोनों सेक्टर चारभाटा एवं बाघनदी क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय बिसाहू दास महंत जी की जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अनीस खान द्वारा जारी बयान में जिलाध्यक्ष विपिन यादव ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा आगामी रणनीतियों पर विस्तार से कार्य किया जा रहा है।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव, प्रभारी महामंत्री राहुल तिवारी, मंडल प्रभारी विष्णु लोधी एवं ब्लॉक अध्यक्ष नरेश उइके ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने, अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा आगामी रणनीतियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। वक्ताओं ने कहा कि मजबूत बूथ ही कांग्रेस की असली ताकत है और संगठन सृजन अभियान के माध्यम से हर गांव, हर वार्ड तक कांग्रेस की विचारधारा को पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन यादव ने स्वर्गीय बिसाहू दास महंत जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे छत्तीसगढ़ की माटी के सच्चे सपूत, स्वतंत्रता संग्राम के निर्भीक सेनानी एवं किसान-समाज की आवाज थे। उनका संघर्ष, त्याग और जनसेवा आज भी हम सभी कांग्रेसजनों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामदास ने किया। बैठक में जिला कार्यकारिणी सदस्य केदार यादव, अमित अग्रवाल, सह प्रभारी मदन लाल मंडावी, उत्तम सिन्हा, मंडल अध्यक्ष परमानंद दमहे, घनश्याम साहू, चंद्रकांत सिंह, कमलेश चंद्रवंशी, जागेश्वर उइके, भोजराज मंडावी, परमानंद चिंगारी, दामोदर बागड़े, गंगा प्रसाद पटेल, दुर्गेश नंदेश्वर, शुभम आंचले, भूषण डिल्ला, विशेश्वर साहू, पांच लाल कंवर, ब्रह्माराम कंवर, जोहन कंवर, लालता कुमार, श्यामलाल सेवक उइके, बिहारी कमर, कनसराम कंवर, जानाराम कटंगी, सिरका राम कंवर, नरसिंह यादव, नरेंद्र तिराले सहित अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत करने, बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने तथा आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया।

जांच और दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने बरमकेला में 6 अप्रैल को और बिलाईगढ़ में 10 अप्रैल को होगा शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जांच और दिव्यांगता प्रमाण पत्र से वंचित दिव्यांग जनों के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिए आगामी 6 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरमकेला और 10 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलाईगढ़ में जिला मेडिकल बोर्ड का शिविर होगा। इसमें आँख, हड्डी, कान, नाक, गला, आदि के डॉक्टर मौजूद होंगे। ऐसे दिव्यांग जिनका दिव्यांग प्रमाण पत्र अब तक नहीं बन पाया है, वे बरमकेला और बिलाईगढ़ में शिविर का लाभ लेकर दिव्यांग प्रमाण पत्र बना सकते हैं।

सरसीवा सीएमओ राकेश कुमार साहू की टीम ने हटाई शासकीय भूमि से अतिक्रमण

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। नगर पंचायत सरसीवा क्षेत्रांतर्गत पेंड्रावन रोड से गौठान पहुंच मार्ग हेतु प्रस्तावित सीसी रोड निर्माण स्थल पर शासकीय भूमि में किए गए अवैध अतिक्रमण को बुधवार को हटाया गया। कार्यवाही के दौरान एक खाली मकान, एक रिक्त भूमि तथा सरस्वती ज्ञान मंदिर स्कूल के साथ अवैध रूप से निर्मित बाउंड्रीवाल सहित शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। यह कार्यवाही मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री राकेश कुमार साहू एवं उप अभियंता सत्यप्रकाश मधुकर, नगर पंचायत सरसीवा के जनप्रतिनिधि, अधिकारी -कर्मचारीगण, पुलिस तथा आमजन की उपस्थिति में शांतिपूर्वक संपन्न की गई।

भविष्य में कब्जा मुक्त कराई गई इस शासकीय भूमि का समुचित उपयोग करते हुए यहाँ उद्यान एवं नगर पंचायत के नवीन कार्यालय भवन का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।अतिक्रमण हटाए जाने के पश्चात स्थल को पूर्णतः खाली कर लिया गया है, जिससे सीसी रोड निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सकेगा। यह कार्य क्षेत्र के विकास एवं नागरिकों की सुविधा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत सरसीवा ने नागरिकों से अपील किया है कि, शासकीय भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न करें एवं नगर के विकास कार्यों में सहयोग प्रदान करें। विदित हो कि गौठान के समीप ही जल जीवन मिशन अंतर्गत पानी टंकी का निर्माण किया गया है तथा आगामी समय में नगर पंचायत सरसीवा द्वारा कचरा प्रसंस्करण केंद्र (एमआरएफकम्पोस्ट प्लांट) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में नगर पंचायत का कार्यालय वार्ड क्रमांक 9 में अस्थायी रूप से पुराने स्कूल भवन परिसर में संचालित हो रहा है।

ग्राम केना में भव्य राधाकृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 8 से 12 अप्रैल तक

सरायपाली ग्रामीण (समय दर्शन)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के लिए पूरे छत्तीसगढ़ में मशहूर सरायपाली विकासखंड के धार्मिक एवं भक्ति ग्राम केना में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से भव्य राधाकृष्ण मंदिर का निर्माण किया गया गया है।नवनिर्मित इस मंदिर में राधाकृष्ण की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 8 से 12 अप्रैल तक श्रद्धा-भक्ति,उत्साह और भक्तिमय माहौल में भव्यता के साथ आयोजित होने जा रहा है।पाँच दिन तक चलने वाले इस अनुष्ठान में वैदिक मंत्रोच्चार और वैदिक रिवाजों के बीच युग्म सरकार(राधा-कृष्ण)की प्रतिमाओं को मंदिर के गर्भ-गृह में स्थापित किए जाऐंगे। गाँव के लिए यह ऐतिहासिक अवसर होगा क्योंकि यहाँ पहलीबार राधाकृष्ण मंदिर की स्थापना होगी।पूरे आयोजन के दौरान गाँव भक्तिमय माहौल में डूबा रहेगा।मंदिर में लगे घंटों के गूँज के बीच श्री राधेकृष्ण के जयघोष से पूरा गाँव गूँज उठेगा तथा भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो जाएगा।इस शुभ अवसर पर जनप्रतिनिधि,भक्तगण और ग्रामीण श्रद्धालु स्वयं को कृष्णमय महसूस करते हुए निरंतर 5 दिन तक भक्तिभाव से शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।कुल पुरोहित पं.खिरोद्र कर,पं.विद्याधर दास,यज्ञाचार्य पं.त्रिलोचन कर विधि-विधान से पूजन कार्यक्रम सम्पन्न कराएंगे।8अप्रैल कायाशुद्धि,प्रायश्चित,कलश यात्रा-मंडप प्रवेश-सूर्यदेव पूजन 9को मण्डप पूजन-वेदीपूजन,सूर्यदेव आवाहन पूजन-अग्नि स्थापन,विग्रह नगर भ्रमण,विष्णु सहस्त्र नाम पठन,आरती,10 को सर्वदेव पूजन,हरिद्राधिवास यूपराज पूजन,धान्याधिवास-पुष्पाधिवास,भगवद्गीता पठन,हवन-पूजन आरती,11 को सर्वदेव पूजन,अष्टप्रहरी प्रारंभ,विग्रह महास्नान प्राण प्रतिष्ठा,प्रासाद स्नान-अधिवास,विष्णु सहस्त्रानाम पठन-हवन आरती,12 को यूपराज स्थापन,शिखर कलश स्थापन, ध्वजारोहण,विग्रह स्थापन,पूर्णाहुति-महाआरती-प्रसाद सेवन।विशेष रूप से भव्य कलश यात्रा,महायज्ञ,प्रतिदिन विशाल महाभंडारा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दिनांक8 से10 वीर बजरंग गणनाट्य हिर्लिपाली(ओडिसा)तथा 11-12 को माँ पूर्णमासी अपेरा बांकीपाली (ओडिसा) द्वारा रात्रि नाटक प्रस्तुति, अष्टप्रहरी नामयज्ञ के साथ प्रतिदिन संध्या 6 से 10 तक कंश दरबार,मीना बाजार आदि आकर्षण के केन्द्र होंगे।

हनुमान जन्मोत्सव पर बरगा में भक्ति की बही सरिता, विशेष पूजन व सत्यनारायण कथा सम्पन्न

थानखम्हरिया (समय दर्शन)। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर ग्राम बरगा में भक्ति, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे ग्राम में धार्मिक वातावरण निर्मित रहा, जहां विभिन्न स्थलों पर विशेष पूजन, पाठ एवं कथा का आयोजन किया गया।

महावीर चौक में गूंजे भक्ति के स्वर

बरगा के महावीर चौक में हनुमान जी का विशेष पूजन अत्यंत श्रद्धा एवं विधि-विधान से सम्पन्न हुआ। एक दिन पूर्व ही परायणकर्ताओं द्वारा सम्पूर्ण रामचरितमानस का अखंड परायण किया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।

प्रात:काल आचार्य हरिहर प्रसाद तिवारी जी के सान्निध्य में

हनुमान पूजन, हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण का सामूहिक पाठ तथा हवन-पूजन सम्पन्न हुआ।

सायंकाल भगवान हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ ग्राम भ्रमण हेतु निकाली गई। इस दौरान ग्रामवासियों ने अपने-अपने द्वार पर आरती कर भगवान का भव्य स्वागत किया। आयोजन में धर्मेन्द्र (पप्पू) वर्मा, खेमसिंह वर्मा, लखन साहू, चेतन वर्मा, रॉकी वर्मा, संतोष वर्मा, दादू वर्मा, मनहरण वर्मा, मुकेश वर्मा, रामजी वर्मा, रामनारायण वर्मा एवं डोमार वर्मा की विशेष भूमिका रही। श्रद्धालुओं के बीच बुंदी का प्रसाद वितरण किया गया।

पुराना बाजार चौक में पूजन और सत्यनारायण व्रत कथा का आयोजन

वहीं, पुराना बाजार चौक स्थित हनुमान मंदिर में प्रतिवर्षानुसार रामेश्वर साहू एवं उनके परिवार द्वारा हनुमान जी की विशेष पूजन एवं सत्यनारायण व्रत कथा का आयोजन किया गया। पंडित निलधर प्रसाद तिवारी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना सम्पन्न कराई गई। इस धार्मिक अनुष्ठान में श्रवण कुमार साहू सहपत्नीक भारती साहू मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही शिवकुमार साहू, रामजस साहू, पूनाराम साहू, विष्णु साहू, चोवाराम साहू, चितरेन साहू एवं भीखम साहू सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

पूरे आयोजन के दौरान भक्ति, सेवा और परंपरा का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। हनुमान जन्मोत्सव के इस आयोजन ने ग्रामवासियों में एकता, श्रद्धा और धार्मिक आस्था को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश दिया। सभी ने मिलकर प्रभु से सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

ग्राम रूही में निकली श्रीराम की भव्य शोभायात्रा, युवा नेता राजा सिंगौर के नेतृत्व में युवाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

पाटन । ब्लॉक के ग्राम रूही में श्री राम भक्त परिवार द्वारा भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। इस आयोजन ने पूरे गांव को भक्तिमय माहौल में सराबोर कर दिया।

शोभायात्रा की शुरुआत शीतला मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद यात्रा पूरे गांव की गलियों से होकर निकाली गई। इस दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हुए और जगह-जगह भगवान श्रीराम का स्वागत किया

गया। इस भव्य आयोजन का नेतृत्व युवा सामाजिक कार्यकर्ता राजा सिंगौर ने किया। उनके मार्गदर्शन में यात्रा सुव्यवस्थित और आकर्षक रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम में आनंद धूमाल पचरी पारा दुर्ग द्वारा मनमोहक गीत-संगीत और आकर्षक लाइटिंग की प्रस्तुति दी गई, जिसने शोभायात्रा की भव्यता को और बढ़ा दिया। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों की धुन पर युवा झूमते नजर आए।

इस आयोजन को सफल बनाने में श्री राम भक्त परिवार के अध्यक्ष हेमंत लोधी, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र लोधी सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

पूरे आयोजन के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला, जिससे गांव का माहौल पूरी तरह भक्तिमय और उत्सवपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती कीर्ति नायक जनपद अध्यक्ष पाटन ,सुरेश सिंगौर युवा प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़, राजा सिगौर, छगन सिगौर, हेमन्त सिगौर ,भोला सिगौर, परमेश्वर, प्रकाश ,उत्तम ,राहुल, रोशन ,सागर ,रुस्तम ,गोविंद, दीपक, भोजू ,दौवा ,लवकुश चंद्राकर, नारायण पटेल, परमात्मा जांगड़े ,ओमप्रकाश, राजू ,राजकुमार ठाकुर, साहिल ठाकुर ,राकेश ,गोजू ,द्वारिका प्रसाद कौशिक ,अश्वनी, टीकेश, दीपक ,आर्यन ,जगेश्वर, धर्मेंद्र, रूपेश, पिंटू ,रितिक ,दीपक, दीपक, संजय ,दिनेश, खिलेशवर, उमेश ,हिमांशु, शुभम् ,सुनील कोमल सहित अन्य मौजूद रहे।

सरपंच-सचिवों की समीक्षा बैठक आयोजित

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में जल संरक्षण कार्यों को गति देने के उद्देश्य से मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत साजा एवं बेमेतरा विकासखंड के सभी सरपंच एवं सचिवों की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती प्रेमलता पद्माकर ने की।

बैठक में मोर तरिया आय के जरिया थीम के अंतर्गत तालाब निर्माण को बढ़ावा देने तथा प्रत्येक घर में रिचार्ज पिट बनाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि इन कार्यों से जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी और भविष्य में जल संकट से बचाव संभव होगा। श्रीमती पद्माकर ने स्पष्ट किया कि जिले में जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी सरपंच एवं सचिवों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अभियान को गंभीरता से लागू करें, जिससे ग्रामीणों को पेयजल समस्या से राहत मिल सके।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26